हिन्दी दैनिक

Log on : www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष –09 अंक–188 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, सोमवार, 08 जून 2020 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–8 | मूल्य 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

यूपी में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ : प्रियंका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ६६ हजार शिक्षक भर्ती परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुये कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज कहा कि राज्य में युवाओं के भविष्य को रौंदा जा

रहा है। श्रीमती वाड्रा ने शिक्षक भर्ती को लेकर मीडिया रिपोर्टस का हवाला देते हुये ट्वीट किया शिक्षक भर्ती में जिस तरह से गड़बड़ियों के मामले सामने आए हैं वो चौंकाने वाले हैं। ये गड़बड़ियां पूरी व्यवस्था पर ही प्रश्नचिन्ह हैं। उप्र के युवाओं का भविष्य रौंदा जा रहा है। उन्होने कहा सरकार इन गड़बड़ियों से जुड़े सारे तथ्य सामने लाए ताकि युवाओं की मेहनत बेकार न जाए और भर्तियों की सही प्रणाली विकसित हो। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में ६६ हजार शिक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा के परिणाम आने के बाद अंक पत्रों को लेकर छात्रों में रोष व्याप्त है।

दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था लाचार : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा राज्य सरकार के अस्पतालों में सिर्फ दिल्ली के लोगों का ईलाज कराने के फैसले का भाजपा ने कड़ा विरोध किया है। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने इस फैसले पर व्यंग्य करते हुए कहा कि दिल्ली में लोग इलाज के लिये क्यों आयेंगे, जब दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था ही लाचार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो भी लोग रह रहे हैं, उनके इलाज से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाग नहीं सकते, राजधानी के सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में लोगों को इलाज कराने से रोक नही

सकते हैं, ये शर्मनाक है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने रविवार को साफ कर दिया है कि बाहरी मरीजों का इलाज अब राज्य सरकार के अस्पतालों में नहीं होगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल के मुताबिक दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में अब सिर्फ दिल्ली के लोगों का ही इलाज होगा। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र वाले अस्पतालों जैसे एम्स समेत अन्य में कोई भी मरीज इलाज करा सकता है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली कैबिनेट ने फैसला लिया है कि राज्य सरकार के अस्पताल अब दिल्ली के लोगों के लिए होंगे। केंद्र सरकार के अस्पताल में कोई भी इलाज करा सकता है। दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों के अस्पतालों में १०,०००–१०,००० बेड हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने अनलॉक-२ की तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ। अनलॉक का दूसरा चरण सोमवार से लागू होगा। इसे लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर टीम ११ के साथ तैयारियों की समीक्षा अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें और वहां की व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण करें। अनलॉक के दूसरे चरण की शुरुआत ८ जून से हो रही है। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों तथा मंडलायुक्तों

की। उन्होंने निर्देश दिया कि नोडल अधिकारी कोविड व नॉन–कोविड अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री ने कहा, "कोविड तथा नन कोविड अस्पतालों के सुचारु संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक–संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी नोडल अधिकारी नामित हैं। अतरू ये सभी अधिकारी कोविड व नॉन कोविड से संवाद बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड एवं नॉन कोविड अस्पतालों का नियमित निरीक्षण किया जाए। क्वारंटीन सेंटर तथा कम्युनिटी किचन में पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी मंडलायुक्त अपने–अपने मंडलों में विकास व राजस्व संबंधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समीक्षा करें। योगी ने कहा कि निर्माण कार्यो के शुरू होने के बाद एक्सप्रेस–वे, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, सड़क, नहर इत्यादि के निर्माण कार्यो में श्रमिकों–कामगारों को रोजगार दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योग, कृषि, उद्यान, निर्माण आदि के क्षेत्र में रोजगार की सभी संभावनाओं को तलाशा जाए। केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाओं में श्रमिकों–कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है, इससे उत्तर प्रदेश का नव निर्माण हो सकेगा। आगामी १५ जून से श्रमिकों–कामगारों को रोजगार देने के संबंध में व्यापक कार्य योजना बना ली जाए। सभी श्रमिकों–कामगारों को भरण–पोषण भत्ता व राशन किट अवश्य दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में सेनिटाइजेशन का कार्य लागातार किया जाए। इससे संक्रमण रोकने में सहायता मिलेगी। ग्राम्य विकास व नगर विकास विभाग स्ट्रीट वेंडरों को लोन दिलाने के लिए समन्वित कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि श्रमिकों–कामगारों को किराए के आवास उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार की योजना के तहत लाभान्वित करने के संबंध में कार्य योजना तैयार कर ली जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर जनपद आगरा, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, गौतमबुद्ध नगर तथा फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेजों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों सहित प्रदेश के सभी कोविड व नॉन कोविड अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स इत्यादि लगातार राउंड लेते रहें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों मे साफ–सफाई की दुरुस्त व्यवस्था होनी चाहिए। अस्पतालों में ४८ घंटे के लिए ऑक्सीजन का बैकअप अवश्य मौजूद हो। आदित्यनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया की लगातार निगरानी की जाए, ताकि इस पर एंटी सोशल गतिविधियां न हो सकें। गौरतलब है कि लॉकडाउन–५.० फिलहाल ३० जून तक है। इसमें भी अनलॉक–१ को चार चरणों में बांटा गया है। सोमवार से प्रदेश में धार्मिक स्थल, मॉल तथा रेस्टोरेंट खोले जाएंगे। इसकी तैयारी को लेकर मुख्यमंत्री ने शासन की तैयारियों को परखा और सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिया।

भारत ने कहा चीन विवाद सुलझाने पर राजी

नई दिल्ली। भारत और चीन के सैन्य कमांडरो के बीच हुई बातचीत के एक दिन बाद केंद्र सरकार ने कहा है कि दोनों देश संक्षिप्त बयान में कहा गयै है– दोनों पक्ष विभिन्न दोपक्षीय समझौतों और नेताओं के बीच बनी सहमति को ध्यान में रखते

आपसी विवाद को वार्ता के जरिए सुलझाने पर राजी है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि भारत और चीन के सैन्य कमांडर दोनों देशों के नेतृत्व के बीच हुए समझौते के साथ ही दोपक्षीय समझौतों के मुताबिक पूर्वी लद्दाख में पिछले कुछ समय से चल रहे सीमा विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने पर राजी हो गए हैं। गौरतलब है कि दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में महीने भर से चल रहे गतिरोध को दूर करने के मकसद से शनिवार को उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता की। इसके बाद सेना की ओर से विदेश मंत्रालय को इस वार्ता के बारे में जानकारी दी गई। विदेश मंत्रलय की ओर से रविवार को जारी एक हुए हालात से शांतिपूर्ण तरीके से निपटने पर राजी हो गए हैं। इस बयान में कहा गया है– नेताओं के बीच सहमति बनी कि भारत–चीन सीमा क्षेत्र में शांति दोपक्षीय संबंधों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। विदेश मंत्रालय ने कहा– दोनों पक्षों ने माना कि इस साल दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की स्थापना की ७०वीं वर्षगांठ है और वे इस पर राजी हुए कि इस मसले के तत्काल समाधान से संबंधों का और विकास होगा। इसी वजह से दोनों पक्ष स्थिति को हल करने और सीमा इलाके में शांति सुनिश्चित करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक वार्ता जारी रखेंगे।

खालिस्तानी आतंकियों को हथियार मुहैया करने वाला जावेद गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (यूपीएटीएस) ने खालिस्तानी आतंकियों को हथियार सप्लाई करने वाले कुख्यात अपराधी जावेद को हापुड़ से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस के अपर पुलिस महानिदेशक ध्रुव कांत ठाकुर ने बताया कि आरोपी जावेद मूल रूप से मेरठ के मवाना इलाके का रहने वाला है। इसके विरुद्ध लूट, हत्या के प्रयास हथियार एक्ट आदि के नौ मुकदमे दर्ज हैं। जावेद और उसके साथी कुख्यात अपराधियों को भी अवैध हथियार (पिस्टल .३२ बोर) की सप्लाई का काम करता है। उन्होंने बताया कि शुरुआती पूछताछ में जावेद ने बताया कि अगस्त २०१६ में पंजाब में हुई राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पंजाब उप प्रमुख अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जगदीश कुमार गगनेजा की हत्या में शामिल अभियुक्त लुधियान पंजाब के महेरबान निवासी धिरमेंन्दर सिंह को अपने साथी आशीष कुमार निवासी जानी मेरठ के साथ मिलकर पिस्टल ३२ बोर की सप्लाई भी की थी। इस हत्याकांड के संबंध में वर्ष २०१६ में एनआई ने दिल्ली में पंजींत किया था। मामले की जांच एनआईए कर रही है। उन्होंने बताया कि आशीष कुमार को एटीएस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ध्रुव कांत ठाकुर ने बताया धरनमिंदर सिंह प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट (केएलएफ) का सदस्य है और इस समय तिहाड़ जेल में बंद है। नवम्बर २०१६ में जावेद के आदेश पर तीन पिस्टल उसके सहयोगियों को सप्लाई की गई थी। अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि जावेद के खिलाफ पंजाब में मामला दर्ज है और यह स्टेट स्पेशल अपरेशन सेल का वांछित हैद्य उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस को सूचित कर दिया गया है। जावेद से पंजाब पुलिस और एटीएस से नोएडा में पूछताछ भी करेगी।

लखनऊ चिड़ियाघर सोमवार से खुलेगा, बच्चो गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल पाएगी एंट्री

लखनऊ। कोविड–१९ के कारण बंद हुआ लखनऊ स्थित चिड़ियाघर सोमवार को फिर से खुलेगा। ऐसे में महामारी के मद्देनजर चिड़ियाघर में आने वाले लोगों के लिए कई नए नियम लागू किए जाएंगे। लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह जूलोजिकल गार्डन के निदेशक आर के सिंह ने कहा, "टिकट के लिए अब वेबसाइट से ऑनलाइन बुकिंग होगी और मानव संपर्क को कम करने के लिए एहतियात के तौर पर टिकट खिड़की बंद रहेगी।" एंट्री के लिए समय को भी दो घंटे की अवधि के साथ तीन भागों में बांटा जाएगा, ताकि आगंतुकों के अगले बैच से पहले सैनिटाइजेशन प्रक्रिया की जा सके। एक समय के स्लॉट में प्रवेश की अनुमति सिर्फ ५०० लोगों को दी जाएगी। इसके अलावा, सभी आगंतुकों को थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा, मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है और चिड़ियाघर के अंदर केवल पानी की बोतलों को ले जाने की अनुमति होगी। निदेशक ने कहा, "जनता की सुरक्षा के लिए टॉय ट्रेन, बैटरी से चलने वाले वाहन, फूड कोर्ट, कैंटीन, स्मारिका दुकान, अन्य क्षेत्र फिलहाल बंद रहेंगे, लेकिन सभी के देखने और आनंद लेने के लिए वहां जानवर रहेंगे।" बच्चों के लिए बड़ी निराशा की बात यही है कि १० साल से कम उम्र के बच्चों को चिड़ियाघर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं ६५ वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं का प्रवेश भी वर्जित है।

शोपियां में मारे गए पांच आतंकी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चला रहे सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। रविवार को सुरक्षा बलों ने शोपियां के रेबन गांव में पांच खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों को इस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सुबह ही सर्च अपरेशन शुरू किया गया। सुरक्षा बलों के नजदीक पहुंचने पर आतंकवादियों ने फायरिंग। जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों में पुलवामा और कुलगाम का हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर फारुक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल था। वह सबसे खूंखार वांछित आतंकवादियों की सूची में शामिल है। दो हफ्ते पहले यारीपोरा में हुई एक मुठभेड़ के दौरान भी नाली बच निकला था। बताया जा रहा है

कि डीएसपी देविंदर सिंह के साथ आतंकवादी नवीद की गिरफ्तारी के बाद हिजबुल ने नाली को दक्षिणी कश्मीर का जिम्मा सौंपा था। इसी साल जनवरी में देविंदर सिंह आतंकी नवीद को जम्मू ले जा रहा था। नवीद को पाकिस्तान जाना था। लेकिन, देविंदर को नवीद और आतंकी समर्थक इरफान अहमद के साथ पकड़ लिया गया था। बहरहाल, पुलिस ने रविवार को मारे गए आतंकवादियों के नामों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया है। लेकिन, सूत्रों के मुताबिक मारे गए आतंकियों में नाली के अलावा सकलेन, रेबन गांव का अहमद वागेर, बाबापोरा का सफैत अमीन नायक भी सुरक्षा बलों की गोलियों का निशाना बना है। इनके पास से एके–४७ राइफल और पिस्टल मिली हैं। हाल में अपनाई गई नीति के मुताबिक इन आतंकवादियों की बडी परिवारवालों को नहीं दी जाएगी।

उपजिलाधिकारी ने बिना मास्क लगाए पद्रह दूकानदारो का किया चालान

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील के कस्बे मे उपजिलाधिकारी पल्लवी मिश्रा व ए सी पी संजीव कुमार सिन्हा मय पुलिस टीम के साथ मोहनलालगंज कस्बे मे दुकानदारो व बगैर मास्क के घूम रहे लोगो से सख्त हिदायत देते हुए चालान करने के साथ ही जुर्माना वसूला गया प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहनलाल गंज कस्बे मे सरकार द्वारा दिशा निर्देशो का पालन करते हुए दूकान खोलने की अनुमति प्रदान की गई है कोरोना वायरस महामारी को लेकर केंद्र सरकार सख्त है वही मास्क व सैनिटाइजर जरूर इस्तेमाल करे मोहनलालगंज उपजिलाधिकारी पल्लवी मिश्रा ने कस्बे मे औचक निरीक्षण किया जहां बिना मास्क लगाए दूकानदार दिखाई दिए मोहनलालगंज उपजिलाधिकारी पल्लवी मिश्रा व ए सी पी संजीव कुमार सिन्हा ने दूकानदार बगैर मास्क के व सेनीटाइजर का सख्त हिदायत देते हुए कहा कि दोबारा बिना मास्क के मिले तो पांच सौ रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा वही

समय समय पर इस्तेमाल न करने पर पद्रह दूकानदारो का चालान काट कर जुर्माना वसूला गया वही बिना मास्क के घूम रहे लोगो से चालान करते हुए सौ रूपये जुर्माना वसूला गया उपजिलाधिकारी ने बताया कि मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र मे इसी तरह निरंतर अभियान चलता रहेगा कोई भी व्यक्ति बिना मास्क लगाए घर से बाहर न निकले मास्क जरूर लगाए

सम्पादकीय

कोरोना वायरसः अब तक इसका कोई इलाज नहीं

कोरोना वायरस के संक्रमण से दुनिया को जो परेशानियां हुई हैं, उसके लिए बेशक एक नए वायरस का आना और उसका तेजी से फैलते जाना एक प्रमुख कारण रहा है। अब तक इसका कोई इलाज नहीं ढूंढा जा सका है और इससे दुनिया में भय का माहौल बना हुआ है। बहरहाल, इस भय और भ्रम को बढ़ाने में विशेषज्ञों और राजनेताओं के अपने भ्रम ने भी कोई कम भूमिका नहीं निभाई है। कई राजनेताओं को नई महामारी में अपने लिए वोटों के ध्रुवीकरण की संभावना नजर आई। तो उन्होंने अपने समर्थकों के जरिए जानबूझ कर गलतफहमियां फैलाईं। विशेषज्ञ चीजों को समझने में लगे रहे हैं, लेकिन कयास लगाने के क्रम में उन्होंने भी लोगों को दिग्भ्रमित किया है। इसका ताजा मामला दुनिया की दो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल्स–द लांसेट और न्यू इंग्लैंड जर्नल अफ मेडिसिन (एनईजेएम) में प्रकाशित दो विवादित अध्ययन हैं। इन अध्ययनों के लेखकों ने कोविड–१९ पर अपना अनुसंधान वापस ले लिया है। अपने आकलन में उन्होंने एक निजी कंपनी से लिए गए जिस डेटा का इस्तेमाल किया, उसकी सच्चाई को प्रमाणित नहीं कर पाने के बाद उन्होंने यह दावा वापस लिया। दोनों अध्ययनों में लेखक रहे अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के मंदीप मेहरा समेत अन्य वैज्ञानिकों ने अब कहा है कि उनकी टीम के सदस्यों को अनुसंधान के लिए अंदरूनी डेटा तक पहुंच नहीं दी गई। दोनों अध्ययनों में अमेरिका के इलिनोइस में स्थित निजी कंपनी सर्जीस्फीयर करपोरेशन से लिए डेटा को आधार बनाया गया था। उस कंपनी के सीईओ सपन देसाई और मेहरा दोनों अनुसंधान पत्रों में लेखक रहे हैं। द लांसेट का अध्ययन २२ मई को प्रकाशित हुआ था, जिसमें दावा किया गया कि छह महाद्वीपों से अस्पताल में भर्ती ९६,००० कोविड–१९ मरीजों के डेटा का निष्कर्ष है कि हाइड्रक्सीक्लोरोक्वीन और क्लोरोक्वीन के सेवन से मौत के मामले बढ़ गए। इसकी वजह से दिल की धड़कन में परिवर्तन होने जैसे मामले देखे गए। इससे पहले 'न्यू इंग्लैंड जर्नल अफ मेडिसिन' में एक मई को प्रकाशित अध्ययन में कहा गया था कि कोविड–१९ के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों में मौत का जोखिम पहले से मौजूद हृदय की किसी बीमारी से जुड़ा हुआ है। इसके आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कोरोना के इलाज संबंधी परीक्षण में इन दवाओं के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। अब चूंकि वो अध्ययन वापस ले लिए गए हैं तो इन दवाओं को लेकर परीक्षण फिर शुरू हुए हैं।

सरकारों ने ऐसी कौन–सी तैयारी कर ली है?

कोरोना के फैलाव के लिहाज से भारत अब दुनिया का छठा सबसे बुरी तरह प्रभावित देश बन चुका है। यानी विश्व सूची में वह इटली के भी ऊपर चला गया है, जबकि इटली सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में एक है। अब आ रही खबरें बता रही हैं कि भारत के ग्रामीण इलाकों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। शहरों में भी नियंत्रण की स्थिति उत्साहवर्धक नहीं है। यानी हालात बिगड़ रहे हैं। सरकारें असहाय महसूस हो रही हैं। ऐसे में उन्हें शायद एक ही तरीका समझ में आया है और वो है जांच की संख्या घटाना। ऐसा करके बेशक मरीजों और मौतों की संख्या कम दिखाई जा सकती है। तो फिर सारा प्रयास हेडलाइन मैनेजमेंट और डेटा कंट्रोल का होता नजर आने लगा है। मसलन, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को लें। दिल्ली में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। यहां रोजाना कभी १,००० से १,५०० तक नए मामले सामने आ रहे हैं। इसी बीच ये सवाल उठा है कि क्या यहां इसी कारण जांचों की संख्या जान बूझकर गिराई जा रही है? दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्ली में हर १० लाख लोगों पर ११,७१२ टेस्ट किए जा रहे हैं, जो २,६७६ टेस्ट के राष्ट्रीय औसत से कहीं ज्यादा है। लेकिन बहुत से लोगों की शिकायत है कि निजी प्रयोगशालाएं जांच के लिए बुकिंग लेकर फिर रद्द कर दे रही हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार दिल्ली सरकार ने कुछ ही दिन पहले निजी प्रयोगशालाओं को कहा था कि वे ऐसे लोगों की जांच बंद कर दें, जिनमें कोविड–१९ के कोई भी लक्षण ना दिख रहे हों। दिल्ली सरकार का कहना है कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि बिना लक्षण वाले लोग भी कोविड–१९ पजिटिव पाए जाने पर निजी अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं। इससे जिन बिस्तरों को गंभीर कोविड मरीजों के लिए बचा कर रखा जा सकता था, उन्हें घेर लिया जा रहा है। उधर मुंबई सबसे ज्यादा संक्रमण के मामलों वाले शहरों की सूची में पहले स्थान पर है। वहां रोजाना १,००० से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन मई के महीने में शहर में जांचों की संख्या को बढ़ाया नहीं गया। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा करने से नुकसान ये होगा कि राज्यों को उनकी असली स्थिति का अनुमान नहीं हो पाएगा और वो आने वाली परिस्थितियों के लिए तैयार नहीं हो पाएंगे। मगर सवाल है कि पिछले ढाई महीनों में ही सरकारों ने ऐसी कौन–सी तैयारी कर ली है?

कोरोना से लड़ने की बजाय राजनीति

अजीत कुमार

पूरा देश कोरोना वायरस के संकट से करीब तीन महीने से लड़ रहा है। तीन महीना इसलिए क्योंकि लॉकडाउन भले २५ मार्च से लागू हुआ हो पर यह तथ्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार मार्च को ट्विट करके कहा था कि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की वजह से वे दस मार्च को होने वाली होली से जुड़े किसी कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेंगे। यानी उन्होंने तीन मार्च को देश भर के लोगों को बता दिया था कि कोरोना का संकट बढ़ने वाला है। सो, सात जून को तीन महीने से तीन दिन ज्यादा हो गए हैं, भारत में कोरोना का कहर शुरू हुए। फर्क यह है कि तीन मार्च को देश में कोरोना संक्रमण के गिने–चुने मामले थे और आज दस हजार केस हर दिन आ रहे हैं। जब संक्रमितों की संख्या दहाई में थी तब प्रधानमंत्री ने होली के समारोहों में हिस्सा नहीं लिया पर अब जबकि संख्या छह अंकों में पहुंच गई है और रोज की संख्या भी पांच अंकों की है तब प्रधानमंत्री बिहार में चुनाव का आगाज करने की तैयारी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि अगले हफ्ते प्रधानमंत्री मोदी की बिहार चुनाव के लिए वर्चुअल रैलियां होंगी। उससे पहले रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वर्चुअल रैली हुई। इसे जन संवाद का नाम दिया गया है। बिहार के बाद वे उनका जन संवाद पश्चिम बंगाल में है। गौरतलब है कि बिहार में इस साल और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। सो, भाजपा पूरे जोर–शोर से राजनीति करने और चुनावी तैयारी में लग गई है। उसका सारा फोकस इस समय

चुनाव और राजनीति पर है। सोचें, तीन महीने से कोरोना वायरस फैला हुआ है और इन तीन महीनों में कहीं भी एक पार्टी के तौर पर भाजपा कोरोना से लड़ती नहीं दिखी। कोरोना का संक्रमण बहुत तेज फैलता है और यह स्वास्थ्य की समस्या है इसलिए भाजपा या कोई भी पार्टी मरीजों की मदद नहीं कर सकती थी पर कोरोना वायरस की वजह से पैदा हुए दूसरे संकट में भी भाजपा लोगों की मदद करती नहीं दिखी। भाजपा की सरकारों ने जरूर काम किया पर यह देखने को नहीं मिला कि हरियाणा के शहरों– गुड़गांव, सोनीपत, पानीपत, कोंडली, मानेसर, रोहतक से मजदूरों का पलायन शुरू हुआ तो प्रदेश भाजपा के नेता उनकी मदद करने के लिए सड़क पर उतरे। लाखों की संख्या में मजदूर पैदल चलते रहे, उनकी परेशानियों की खबरें मीडिया में आती रहीं, वे एक के बाद एक भाजपा शासित राज्यों की सीमा पार कर दूसरे राज्यों में जाते रहे पर अपवादों को छोड़ कर कहीं भी भाजपा सांस्थायिक रूप से उनकी मदद करती नहीं दिखी। भाजपा ने इसमें भी राजनीति ही की। जिन राज्यों में गैर भाजपा सरकारें हैं वहां भाजपा के नेताओं ने सरकार के खिलाफ आंदोलन किया। दूसरी पार्टियों को कोरोना संकट के समय में राजनीति नहीं करने की सलाह देने वाले भाजपा के नेता महाराष्ट्र, दिल्ली आदि राज्यों में आंदोलन पर उतरे। केरल में एक हथिनी की मौत हुई तो केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कांफ्रेंस किया पर देश की सड़कों पर सैकड़ों मजदूर मर गए, उसके बारे में किसी ने जुबान नहीं खोली। चार मार्च को जिस दिन प्रधानमंत्री ने होली नहीं मनाने का ऐलान किया उसके बाद २० दिन तक संसद का सत्र चलता रहा था। बजट पास कराया गया। गुजरात में कांग्रेस के पांच विधायकों का इस्तीफा कराया गया। मध्य प्रदेश के २२ कांग्रेस विधायकों का इस्तीफा करा कर कमलनाथ की सरकार गिराई गई और भाजपा की सरकार बनवा कर बहुमत हासिल किया गया और उसके बाद ही लकडाउन की घोषणा हुई। अब लॉकडाउन खत्म हो गया और अनलक–एक चल रहा है। इसमें भी भाजपा का पूरा फोकस राजनीति पर है। बिहार की चुनावी तैयारी जोर–शोर से शुरू हो गई है और उधर गुजरात में राज्यसभा की तीसरी सीट जीतने का खेल भी चालू हो गया है। अनलक–एक के बाद कांग्रेस के तीन विधायकों का इस्तीफा कराया जा चुका है और इस तरह भाजपा ने तीसरी सीट पर जीत लगभग सुनिश्चित कर ली है। मध्य प्रदेश में भी सरकार के विस्तार की तैयारी चल रही है। वहां भाजपा की सरकार बनने से राज्यसभा की दो सीटें जीतने का रास्ता साफ हो गया है। कहा जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव के बाद ही सरकार का विस्तार होगा। महाराष्ट्र में जो राजनीति हुई वह सबकी आंखों के सामने थी, कैसे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को विधान परिषद में मनोनीत करने का राज्य सरकार की सिफारिश राज्यपाल ने नहीं मानी और कैसे मुख्यमंत्री को इस काम के लिए प्रधानमंत्री से बात करनी पड़ी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी भाजपा की राजनीति चल रही है। जिस दिन दिल्ली सरकार ने सीमा सील करने का आदेश दिया उस दिन भाजपा के नेता मनोज तिवारी धरने पर बैठ गए और उन्हें हिरासत में लेकर हटाना पड़ा। महाराष्ट्र और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग भाजपा के नेता कर रहे हैं। हालांकि इन राज्यों से कम खराब स्थिति गुजरात या तमिलनाडु की नहीं है पर उसकी चर्चा नहीं हो रही है। इसी बीच भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने दिल्ली सहित तीन राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं और राष्ट्रीय टीम में फेरबदल की तैयारी चल रही है। राज्यसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार में भी फेरबदल संभावित है। सो, भले देश में कोरोना का संकट चल रहा हो, हर राज्य में इसे लेकर त्राहिमाम की स्थिति हो, हर आदमी कोरोना से लड़ रहा हो या इसकी चिंता में हो पर भाजपा को राजनीति की चिंता है। बिहार में, बंगाल में, महाराष्ट्र में, दिल्ली में, गुजरात में हर जगह भाजपा पूरे जोर–शोर से राजनीति कर रही है। कोरोना संकट की वजह से उसकी राजनीतिक गतिविधियों पर असर नहीं हुआ है। इसके बरक्स कांग्रेस पार्टी के नेता सिर्फ ट्विट करके दिख रहे हैं। तभी उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम प्रियंका ट्विटर वाड्रा रख दिया है।

इस्लाम के चलते ट्रंप, भटका अमेरिका!

हरिशंकर व्यास

लोकतंत्र की मशाल अमेरिका और वहां डोनाल्ड ट्रंप जैसा मूर्ख–अलोकतांत्रिक व्यक्ति राष्ट्रपति हुआ तो इस त्रासदी का जिम्मेवार कारण इस्लाम है। इस्लाम ने जो स्थितियां बनाई उसमें अमेरिकी बुद्धि जकड़ी। अपना मानना है कि अमेरिकी लोकतंत्र ने ट्रंप को राष्ट्रपति बना कर जो पाप किया उसकी पृष्ठभूमि में इतिहासजन्य ग्रंथि है। शीत युद्ध के खत्म होने के बाद इस्लाम ने, बिन लादेन ने भूमंडलीकरण की उड़ान के अधबीच जो फच्चर डाला, धर्म की जिद्द में आंतक का जो रूप दिखाया उससे मानवता की वह बरबादी हुई, जिससे समझदार लोग भी पगला गए। मतलब कि आज जो है वह इस्लाम के कारण है। सर्वत्र लोहे की काट में लोहे की चाहना में, प्रतिक्रिया में वह ट्रेंड बना, जिससे सोचना–समझना भटका और दुनिया जड़ होती गई। अमेरिका में डोनाल्डट्रंप को छप्पन इंची छाती लिए इस्लाम से लड़ने वाला समझदार राष्ट्रभक्त समझा गया। उन्हें अनिवार्य बुराई के रूप में पसंद किया गया। हां, ९७११ से पहले अमेरिका और यूरोप, पश्चिमी सभ्यता, लोकंतत्र के तमाम झंडाबरदार, सच्चे–समझदार देश अलग दिशा में बढ़ रहे थे। वैश्विक नेता सुधारों के साथ उदार हो रहे थे। पृथ्वी के लोगों को आजाद बना दे रहे थे। पासपोर्ट–वीजा खत्म होने लगा था। देश अपने राष्ट्रवाद, अपनी सार्वभौमता छोड़ कर साझा चूल्हा बनाने की और बढ़ रहे थे। कई साझा बाजार बन गए थे। दुनिया गांव बनने लगी थी और अफ्रीका को छींक आई या दुनिया में मौसम बदलता लगा तो वैश्विक पैमाने पर सोच–विचार बना कि कैसे पृथ्वी बचे। मगर इस्लाम की इस सब पर नजर लगी। बिन लादेन ने उड़ती दुनिया को जमीन पर ला पटका। इस्लाम ने वैश्विक मैसेज बनाया कि हमें दुनिया को अपने रंग में बदलना है। दारूल इस्लाम बनाना है। तालिबानी–शरिया राज बनाना है। इस्लामी स्टेट बनाना है। और इस जिद्द में, इस ख्याल में ऐसे–ऐसे काम हुए मानो उस दुनिया को भी (यूरोप में फ्रांस से लेकर रूस, चीन आदि को भी) शरियत में ढलना होगा। सब अपनी निज स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी या साम्यवादी व्यवस्था सबको छोड़े। बुर्का चलेगा, शरिया कानून चलेगा, हम अपने अंदाज में रहेंगे भले देश का अंदाज कुछ भी हो। हमें बुद्धि, ज्ञान–विज्ञान न दो हमारी तो पहले से जन्नत बनी हुई है और हूरें हमारा इंतजार कर रही हैं इसलिए खबरदार काफिरों हमसे डर कर रहो! मेरे इस धाराप्रवाह में आप शब्दों को हल्का–भारी बना सकते हैं लेकिन मोटे तौर पर दिसंबर १९९१ में सोवियत संघ ढहा नहीं, अफगानिस्तान में साम्यवाद हारा नहीं कि इस्लाम विश्व व्यवस्था में आई खाली जगह को भरने के लिए उठ खड़ा हुआ। दिमाग के बौद्धिक विलास में साम्यवाद का विचार और उसकी जिद्द में बना सोवियत साम्राज्य खत्म हुआ नहीं कि इस्लाम का मिशन परचम ले कर उठ खड़ा हुआ। तब याकि १९९१ के बाद के सालों में अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता ने इस्लाम को लापरवाही में लिया। दूसरे महायुद्ध के बाद से साम्यवाद से कंपीटिशन में पश्चिमी सभ्यता इस धुरी पर घूमती रही थी कि संघर्ष पूंजीवाद बनाम साम्यवाद का है न कि इतिहास की उस ग्रंथि का सभ्यता संघर्ष है, जिसके पीछे क्रूसेड का प्रमाण भी है। अमेरिका में रोनाल्ड रीगन, बुश सीनियर, ब्रिटेन में माग्ररेट थैचर, जन मेजर, जर्मनी में हेल्मट कोल, श्रोडर और फ्रांस में फ्रांक्वा मितरां क्योंकि शीत युद्ध की छाया में पले–बढ़े थे और सत्ता में आए थे तो ये सब सोवियत दुनिया के ढहने के बाद पूंजीवाद की जीत के जश्न में खो गए। ये सब यूरोपीय एकीकरण याकि भूमंडलीकरण की तासीर में मशगूल रहे और इन्होंने इस्लाम बनाम ईसाईयत के क्रूसेड की इतिहासजन्य ग्रंथि को इसलिए गंभीर नहीं माना क्योंकि सुपर पावर वाली इनकी दुनिया में जेहाद की भला क्या बिसात! ९/११ के दिन वह गलतफहमी धाराशायी हुई। बुश जूनियर और टोनी ब्लेयर और उनके साथ उनकी प्रजा को वह सब दिखा, जिसकी झांकियां पचास सालों से पश्चिमी सभ्यता की उदारता के चलते ही पली और फैली थीं। सऊदी अरब का सुन्नी वहाबी रूप हो या खुमैनी के शियाई तेवर,हमास आदिसब की भिड़ंत सीधे पश्चिमी सभ्यता से बहुत बर्बरता, आंतक, खौफ में हुई तो अमेरिका और गैर–इस्लामी देशों को फिर बदलना ही था। इसमें डिग्री का, अंदाज का फर्क हो सकता है लेकिन बुश, क्लिंटन, ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप सभी इस्लाम पर रूख तो एक सा लिए हुए हैं। जाहिर है ९७११ के बाद से अमेरिका और दुनिया सभी लगातार इस्लाम पर सोचते–सोचते पके हैं। ऐसे में अमेरिका का अमेरिकीपना, आइडिया अफ अमेरिका भी बिखरा–भटका है। अमेरिकी लोकतंत्र में बुद्धि–समझ सब इस्लाम की चुनौती के आगे बेबस हो कर सोचने लगे कि यदि डोनाल्ड ट्रंप खुल कर कह रहे हैं कि मुसलमानों की आवाजाही रूकवा देंगे, अमेरिका को फिर महान बनाएंगे तो वे सही कह रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति चुना जाए। यह था सत्व–तत्व। लेकिन ट्रंप अपनी सत्ता में आइडिया अफ अमेरिका, लोकतंत्र को जर्जर बना डालेंगे, इस्लाम भले अमेरिका को खत्म न कर पाए, लेकिन ट्रंप खुद ही अपनी रीति–नीति में अमेरिका को अमेरिका नहीं रहने देंगे और महामारी के वक्त भी बुद्धि के बजाय अपनी सनक में काम करेंगे, वे उसे पुतिन के रूस जैसा बनाने लगेंगे और अमेरिकियों पर कुत्ते छोड़ने जैसी बाते करेंगे, यह सब अमेरिकियों की कल्पना में नहीं था। इसलिए एक विचार बनता है कि मिनियापोलिस में एक गोरे पुलिस अधिकारी द्वारा अश्वेत जार्ज फ्लोएड की गर्दन को घुटनों से दबा कर मारने की घटना पर अमेरिका जैसे उबला है वह दरअसल अमेरिकी लोगों में ट्रंप के खिलाफ बने गुस्से का उबाल है। बहुसंख्यक अमेरिकी फिर अमेरिका के मूल आइडिया में लौट रहे हैं। वे डोनाल्ड ट्रंप से मुक्ति चाहते हैं। पर मैं अभी इस निष्कर्ष पर इसलिए नहीं पहुंचा हूं क्योंकि ट्रंप के पास लोगों को भरमाने, बहकाने के लिए शैतान चीन का नया नुस्खा है तो इस्लाम का मुद्दा भी रिजर्व में है। वे अमेरिका के लिए, दुनिया के लिए सबके लिए चिंता की बात हो गए हैं लेकिन बावजूद इसके ट्रंप जिस वोट बैंक के नेता हैं उसके पीछे गोरे लोगों का नस्लीय रूझान है तो ईसाईयत याकि धर्म की अपील भी है। नस्ल, धर्म और अमेरिका महान के राष्ट्रवाद को ट्रंप आने वाले महीनों में हल्का नहीं पड़ने देंगे। इसलिए अभी उनकी अलोकप्रियता या दुबारा राष्ट्रपति

बनने, न बनने के मसले को पेंडिंग रखा जाए। फिलहाल सत्य है कि ट्रंप अब अमेरिका के लिए चिंता की बात हैं तो दुनिया के लिए भी हैं। डोनाल्ड ट्रंप का व्यवहार अमेरिका के राष्ट्रपति, दुनिया को नेतृत्व देने वाला नहीं है, बल्कि उन्होंने अपने आपको उस एक वोट बैंक का छोटा सा नेता बना लिया है, जिनकी बुद्धि इसलिए कुंद है क्योंकि उनका आइडिया अफ अमेरिका पर भरोसा नहीं है, बल्कि ट्रंप पर भरोसा है। हकीकत है कि बुश, क्लिंटन, ओबामा ने इस्लाम के खतरे के आगे दुनिया को न केवल गोलबंद बनाया, बल्कि दुनिया को नेतृत्व भी दिया। अफगानिस्तान, बिन लादेन, इराक, इस्लामिक स्टेट जैसी चुनौती को ओबामा तक के अमेरिका ने जैसे कुचला उस मुकाबले में ट्रंप ने कुछ भी नहीं किया है। ऊपर से अमेरिका को उलटे इस मामले में अंदरूनी तौर पर कमजोर बना दिया। उस नाते ट्रंप बहुत फर्जी साबित हुए हैं। अमेरिका अपने आप, अपने कारणों, अपनी जमीं, लोकतंत्र की अपनी खूबसूरती से अद्भुत बना, ग्रेट बना जबकि ट्रंप ने पिछले चार सालों में झूठ बोल, बोल कर यह हल्ला बनाया है कि वे ग्रेट हैं, उनके कारण अमेरिका ग्रेट होगा। और जो अमेरिका में उनकी बात से सहमत नहीं है, जो उनका विरोधी है वे अमेरिका की महानता में सत्यानाशी है! तभी सवाल है कि ऐसा राष्ट्रपति भला दुनिया को कैसे किसी मकसद विशेष में एकजुट बना सकता है?बुश ने आंतक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी तो दुनिया गोलबंद हुई थी। बुश, टोनी ब्लेयर, मर्केल ने दुनिया को गांव में बदलने वाले फैसले किए थे तो उससे एक–एक कर कई देश जुड़े। नए वैश्विक सरोकारों और नए एजेंडे में दुनिया ढली थी। लेकिन वक्त की मार, इस्लाम की जिद्द (खासकर यूरोपीय देशों में) से कुछ ऐसा हुआ कि गोरों के दिमाग में और खास कर अमेरिकी गोरों में मूर्ख ट्रंप का बड़बोलापन क्लिक हो गया। जो अमेरिका इस बात पर ढला था कि बुद्धि का विकल्प नहीं है, वह भटका। जिस बुद्धि और लोकतंत्र से अमेरिका दुनिया का सरताज हुआ है, सिरमौर सभ्यता की गौरव दास्तां है, जिसके पारस पत्थर से, मार्शल प्लान से जंग में बरबाद यूरोप देश उठ खड़े हुए थे, जिससे जापान बना था, चीन दुनिया की फैक्टरी बन गया उस बुद्धिमान देश के लोगों ने बुद्धि–विवेक छोड़ कर ऐसे नेता पर भरोसा किया, जिसकी सनक, मूर्खताओं में देश बरबाद हुआ तो कलंकित भी हुआ। हां, कोरोना से इतनी मौतें होना भी कलंक है तो नस्लीय भेदभाव का मामला भी कलंक है। इसलिए अमेरिका का आज का दोराहा बहुत विकट है और न केवल अमेरिका को, बल्कि अमेरिका से लोकतंत्र, आजादी, ज्ञान–विज्ञान–पुरुषार्थ की गंगोत्री से जीने वाले दुनिया के लोगों, देशों की सेहत भी खासी प्रभावित हुई पड़ी है।

१७ हजार प्रवासी घरों को लौटे, इनमें से २३०० प्रवासी पैदल आए

बरेली। १ मई से लेकर अब तक १७ हजार प्रवासी घरों को लौटे हैं। इनमें से २३०० प्रवासी पैदल आए हैं। ये वे हैं जो विभिन्न राज्यों से सैकड़ों किलोमीटर सड़क नापकर भूखे- प्यासे रहकर किसी तरह घर पहुंचे हैं। इनकी जेब में रुपये नहीं थे। घर तक पहुंचने

के लिए सरकार की तरफ से कोई संसाधन नहीं मिला तो पैदल ही सड़क नाप दी। प्रशासन ने जब गांव–गांव सत्यापन कराया तब पता चला कि २३०० प्रवासी पैदल ही घर पहुंच गए। सत्यापन करने जब अधिकारी गांव में इनके घर गए तब इन प्रवासी मजदूरों ने बताया कि किसी तरह से एक–एक कदम चलकर सैकड़ों मील का रास्ता उन्होंने भूखे प्यासे ही तय किया। अधिकारियों ने इन्हें बताया कि परेशान न हों, इन सभी के बैंक खातों में शासन से सीधे एक–एक हजार रुपये आएंगे। लाभ दिलाने के लिए प्रशासन नेसभी श्रमिकों का डाटा राहत एप पर अपलोड कर दिया है। सात हजार श्रमिक बरेली जनपद से अपने गंतव्य जनपदों को लौटे हैं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन वीके सिंह ने बताया कि जिले में आज की तारीख में कोई भी प्रवासी घर जाने को नहीं रह गया है। न ही आश्रय स्थल में कोई क्वारंटाइन है। उत्तराखंड से आ रहे प्रवासी स्क्रीनिंग के बाद सीधे घर भेजे जा रहे हैं। एडीएम प्रशासन ने बताया कि १४७०० प्रवासी ट्रेन व बस से लौटे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, पंजाब समेत अन्य राज्यों से लोग लौटे हैं। वहीं को उपजिलाधिकारी सदर ईशान प्रताप सिंह न मुख्य विकास अधिकारी को भेजी रिपोर्ट में बताया कि तहसील सदर में २७७५ प्रवासी लौटे हैं। सत्यापन में ४३० परिवार निकले हैं। इसमें महिला व बच्चों सहित १५३० प्रवासी हैं। जबकि १२४५ प्रवासी अवशेष रहे। जांच के दौरान १२४५ श्रमिकों में से ४६० एकल नाबालिग निकले। जबकि ३७० प्रवासियों का सत्यापन नहीं किया जा सका। इनका पता बरेली तो है लेकिन तहसील, ब्लॉक, ग्राम का आंकलन नहीं है। इसकी वजह से सत्यापन कराने में दिक्कतें आ रही हैं।

अनामिका शुक्ला से लेकर अनामिका सिंह और आखिरकार प्रिया

लखनऊ। अनामिका शुक्ला से लेकर अनामिका सिंह और आखिरकार प्रिया। यह प्राथमिक विद्यालय की वह शिक्षिका है, जो एक साथ २५ स्कूलों में पढ़ाती हुई पकड़ी गई है और इस काम के लिए वह अपनी अलग–अलग पहचान भी बनाई हुई थी। अनामिका को कासगंज जिले से गिरफ्तार किया गया था जब वह बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अंजलि अग्रवाल द्वारा कारण बताओ नोटिस भेजे जाने के बाद अपना इस्तीफा सौंपने गई थीं। अग्रवाल ने पुलिस को सूचित किया और अनामिका को गिरफ्तार कर लिया गया। कासगंज बीएसए के मुताबिक, मूल रूप से फरुखाबाद के कायमगंज की रहने वाली अनामिका शुक्ला वर्तमान में गोंडा के रघुकुल डिग्री कलेज से बीएड कर रही हैं। उसके अन्य दस्तावेज भी उसी कलेज के हैं। पूछताछ के दौरान अनामिका शुक्ला ने कहा कि वह वास्तव में अनामिका सिंह ही है, लेकिन जैसे–जैसे बात और सवाल–जवाब की प्रक्रिया आगे बढ़ती गई, तब पता चला कि वह प्रिया है, जो फरुर्खाबाद से है। उसे आईपीसी की धारा ४२० (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति देने के लिए प्रेरित करना), ४६७ (मूल्यवान मूल्यवान प्रतिभूति को बनाने या हस्तांतरण की

कूटरचना) और ४६८ (धोखाधड़ी के उद्देश्य के लिए जालसाजी) के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया है कि उसने यह नौकरी पाने के लिए मैनपुरी के एक व्यक्ति को पांच लाख रुपये का भुगतान किया था। उसने नौकरी पाने के लिए अनामिका शुक्ला के पहचान पत्र का इस्तेमाल किया, जबकि उसका असली नाम प्रिया है, जो फरुर्खाबाद जिले में कायमगंज पुलिस सर्कल के लखनपुर गांव के रहने वाले महिपाल की बेटी है। सोरों स्टेशन हाउस अफिसर (एसएचओ) रिपुदमन सिंह ने कहा, "पूछताछ के दौरान आरोपी ने शुरूआत में सुभास सिंह की बेटी अनामिका सिंह होने का दावा किया। हालांकि उसके दस्तावेज सुभाष चंद्र शुक्ला की बेटी अनामिका शुक्ला के नाम पर हैं।" आरोपी ने दावा किया है कि उसने नौकरी के लिए मैनपुरी के रहने वाले राज को मोटी रकम का भुगतान किया था और अगस्त २०१८ से फरीदपुर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में कार्यरत थी। पुलिस अब उस आदमी की तलाश कर रही है, जिसने उसे नौकरी दी थी। पुलिस का यह भी मानना है कि यह हो सकता है कि ऐसे और भी कई उम्मीदवार हो, जो अनामिका शुक्ला की पहचान और योग्यता का इस्तेमाल करते हो हालांकि वास्तविक अनामिका के बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, अंबेडकर नगर, बागपत, अलीगढ़, सहारनपुर और प्रयागराज जिलों में पांच और अनामिका शुक्ला को केजीबीवी में काम करते हुए पाया गया है। उसने पिछले एक साल में करीब एक करोड़ रुपये का संयुक्त वेतन निकाला है। केजीबीवी में शिक्षक अनुबंध पर नियुक्त किए जाते हैं और उन्हें प्रति माह लगभग ३०,००० रुपये का भुगतान किया जाता है। जिले के प्रत्येक ब्लक में एक कस्तूरबा गांधी विद्यालय है, जो समाज के कमजोर वर्गों से ताल्लुक रखने वाली लड़कियों के लिए एक आवासीय शिक्षण संस्थान है।

प्रवासियों के कार्ड बनाकर राशन बांटने में बरेली का सातवां स्थान

बरेली। प्रवासियों के अस्थाई कार्ड बनाकर राशन बांटने को लेकर शासन ने ६० जनपदों की सूची जारी की है। जिसमें बदायूं जनपद की बदौलत बरेली मंडल चौथे नंबर पर आया है। जबकि बरेली जनपद का राज्य में सातवां नंबर आया है। ५ जून तक की प्रवासियों की स्थिति परखने के बाद शासन ने सूची जारी की है। कमिश्नर रणवीर प्रसाद ने खाद्यान्न वितरण से जुड़े अधिकारियों को सूची भेजकर खुशी जताई है। शासन उन प्रवासियों के अस्थाई कार्ड बनवा रहा है, जो इसके लिए पात्र हैं लेकिन बाहर रहने की वजह से उनको राशन कार्ड जारी नहीं हुए थे। अब उनके घरों को लौटने के बाद माली हालत परखकर शासन उनको मदद देने के लिए अस्थाई राशन कार्ड बनवा रही है। शासन ने सभी जिलों से ५ जून तक प्रवासियों के राशनकार्ड बनाने और उन्हें राशन आवंटन करने के संबंध में सूचना मांगी। इसके बाद ६० जनपदों की सूची जारी की। शासन की सूची के अनुसार बरेली मंडल के जनपद बदायूं में प्रवासियों के कुल १३०२ कार्ड और उनकी ४५६८ यूनिट हैं। इनमें से ७६५ कार्डों पर गेहूं ८२०८ किलो, चावल ५४७२ किलो व चना ७६५ किलो बांटा जा चुका है। ओवरआल ६१.०६ प्रतिशत राशन बंटा है। इसके आधार पर बरेली मंडल चौथे नंबर पर रहा। जबकि बरेली जनपद में प्रवासियों के १०२७ कार्ड और उनकी यूनिट २८२७ हैं। ५८० कार्डों पर ४६०५ किलो गेहूं , ३२७० किलो चावल और ५८० किलो चना बांटा गया है। ६० जनपदों में पीलीभीत ३४वें नंबर पर रहा। ११८६ कार्ड में से ४४१ पर राशन बांटा है। शाहजहांपुर ४३ वें नंबर पर रहा। यहां प्रवासियों के २४६६ कार्ड हैं उनमें से ७४३ पर राशन बांटा जा चुका है।

लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कार डिवाइडर से टकराई, एक की मौत , एक घायल

नींद की झपकी आने से हुआ हादसा, दिल्ली से लखनऊ जा रहे दोनो दोस्त

बनवारी लाल कुशवाहा

लखनऊ/शिकोहाबाद। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के नसीरपुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सुबह के समय एक स्विफ्ट कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। जिससे कार में बैठे दोनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। यूपीडा के कर्मचारियों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया जहॉ डाक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। थाना नसीरपुर के समीप आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सुबह ६ बजे के करीब दो दोस्त दिल्ली से लखनऊ मेन बाजार मे स्विफ्ट कार से कुछ सामान खरीदने जा रहे थे। उनकी कार जैसे ही थाना नसीरपुर के ५७ किलोमीटर के समीप पहुँची ही थी कि कार चला रहे अवीनश को झपकी आ जाने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गयी। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। कार में बैठे सीबू (३८) पुत्र उन्नाबहादुर , अश्वनी पुत्र (२४) पुत्र रामसिंह निवासी कोटला मुबारकपुर प्रेमनगर दिल्ली गंभीर रूप से घायल हो गये। थोडी की देर में आस–पास के ग्रामीणों की भीड एकत्रित हो गयी। सूचना पुलिस को कर दी गयी। वही सूचना मिलते ही यूपीडा के कर्मचारी भी मौके पर पहुँच गये। यूपीडा के कर्मचारियों ने गंभीर हालत को देखते हुये जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहॉ डाक्टरों ने सीबू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घायल को इलाज के लिये मेडीकल कॉलेज फिरोजाबाद रैफर कर दिया वही मृतक को पोस्टमार्टम के लिये फिरोजाबाद भेज दिया। सूचना स्वजनों को कर दी गयी। सूचना

मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया और परिजन रोते–बिलखते हुये फिरोजाबाद के लिये रवाना हो गये। वही नसीरपूर इस्पेक्टर बीडी पाण्डे ने बताया की ये दोनो दोस्त थे जिसमे अवनीश दिल्ली मे टेक्सी ड्राईवर है और वही मृतक गाडी मिस्त्री का काम करता है। दोनो लखनऊ जा रहे थे नींद आने से हादसा हुआ है शव को फिरोजाबाद भेज दिया है।

यूपी में कोरोना संक्रमितों की तादाद १० हजार के पार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रवासी श्रमिकों के आवागमन ने कोरोना संक्रमितों की रफ्तार को हवा दी है जिसके चलते कोविड–१६ से पीड़ित

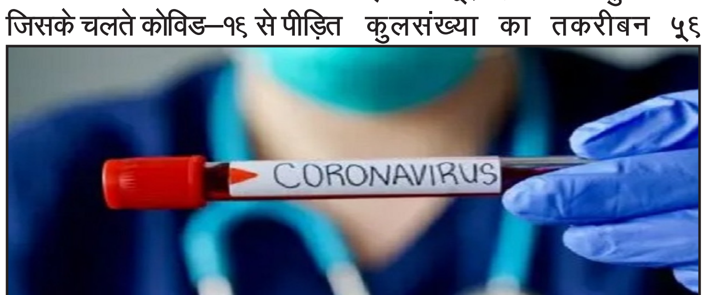

मरीजों की तादाद दस हजार के पार हो गयी है। इसमें तकरीबन २८ फीसदी प्रवासी हैं। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले २४ घंटे में कोरोना संक्रमित ३८२ नये मामलों की पहचान की गयी जबकि २६० मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गये। इस अवधि में ११ मरीजों ने दम तोड़ दिया। राज्य में अब तक कोरोना संक्रमित १० हजार १०३ मरीज मिल चुके हैं। इनमें से ५६०८ ठीक हो चुके हैं जो कुलसंख्या का तकरीबन ५६ फीसदी है। सरकार के प्रवासी श्रमिकों की सुविधा के लिये बस और रेल सेवायें मुहैया कराने के बाद राज्य में कोरोना संक्रमण को लेकर हालात और बदतर हुये। संदिग्ध लक्षणों वाले ८६ हजार ४८८ प्रवासी श्रमिकों के टेस्ट अब तक किये जा चुके हैं और जिनमें २८५६ कोरोना संक्रमित पाये गये हैं।

हर घर के आंगन में हो तुलसी का पौधा

कृष्ण कुमार शुक्ला

पलियाकलां खीरी।विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर नगर वासियों से निवेदन है कि वह अपने घर के आंगन में,छत पर या बालकनी में तुलसी के पौधा हर हाल में लगाये। सुंदर कांड मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी उमाशंकर मिश्र ने लाक डाउन के मद्देनजर सामाजिक दूरी का पूरा पालन करते हुए पलियावासियों को तुलसी की पौध वितरित की । इस शुभ अवसर पर मंडल के संरक्षक निरंकार प्रसाद बरनवाल, रामचंद्र शुक्ल ,विश्व कांत त्रिपाठी ,सक्षम शुक्ला ,रामसागर गांधी ,सक्षम मिश्रा,प० आशीष कुमार मिश्र आदि मंडल पदाधिकारियों ने पोध वितरण में भरपूर सहयोग किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर मंडल द्वारा तुलसी के पौधे प्राप्त कर लोग काफी खुश नजर आए और उन्होंने श्री सुंदरकांड पाठ समाज सेवा मंडल पलिया को इसके लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि जिस किसी भी भक्त को तुलसी का पौधा चाहिए तो वह ६४५२०४७६७२, ६४१५६६७७५०, ६४१५१६६०७६, ६१२५५४१०५६ सम्पर्क कर सकता है।

आंधी में ईट गिरने से घायल प्रौढ़ की मौत

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र अन्तर्गत आंधी आने के दौरान ईट गिरने से घायल हुये प्रौढ़ ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मक्खनपुर थाना क्षेत्र के गांव अरमराजट निवासी सोपाली (५२) पुत्र छोटे लाल कुछ दिन पूर्व आयी तेज आंधी में ईट गिरने से घायल हो गया था। उसका उपचार चल रहा था। उसने उपचार के दौरान शनिवार की रात दम तोड़ दिया। परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है।

मुख्य सड़कों पर जलभराव के चलते ग्रामीणों में रोष

कृष्ण कुमार शुक्ला

फूलबेहड़–खीरी। जहॉं एक तरफ मोदी सरकार स्वच्छ भारत का सपना पूरा करने के लिए काफी प्रयास कर रही है वही विकास खण्ड फूलबेहड़ की ग्राम पंचायत बसहा माफी स्वच्छता के लिहाज से काफी पीछे नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत बसहा माफी में थोड़ी सी बरसात में ही सड़के तालाब में तब्दील हो जाती है सड़को के आस पास पानी के निकलने की व्यवस्था न होने के कारण सड़को तथा गलियो में काफी कीचड़ के साथ जलभराव हो जाता है जिससे ग्रामीणों तथा राहगीरों को निकलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है तथा गांव में गंदगी के कारण मच्छरों की तादात में बढ़ोत्तरी हो जाने के कारण गांव में बीमारियां फैल रही है जिससे ग्राम पंचायत में मलेरिया, दूषित जल की वजह से, डायरिया जैसी, आदि गंभीर बीमारियां पनप रही है ।ग्रामीणों ने ग्रामप्रधान पर विकास न कराये जाने आरोप लगाये वही सफाई कर्मी पर आरोप लगाते हुऐ कहा कि सफाई कर्मी केवल ग्राम प्रधान के यहां हाजिरी लगा कर चला जाता है तथा गांव की सफाई से उसका कोई मतलब नही जिसकी शिकायत कई बार जिम्मेदारों से होने के बाद भी कोई समाधान न होना ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों पर सवालिया निशान लगता है। ग्रामीण सोनेलाल सरजू प्रमोद कुमार व अन्य ग्रामीणों ने जलभराव के चलते ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है।

क्षेत्र की जनता को गुमराह कर रहे डाक्टर

कृष्ण कुमार शुक्ला

गौरीफंटा खीरी। गौरीफंटा (स्थान कजरिया) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संविदा पर तैनात डक्टर अपने कर्तव्यों से विमुख होकर सरकारी कर्मचारी नियमावली विरूद्ध कार्य कर भारत सरकार द्वारा चलाई जा सरकारी योजनाओं की समीक्षा कर तहसील क्षेत्र की जनता को गुमराह कर रहे हैं। जिसके चलते आम जनता के दिलो में सरकार के प्रति छवि धूमिल हो रही है। उल्लेखनीय हैं कि इंडो नेपाल सीमा पर स्थिति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीफंटा में काफी अर्से से रिक्त चल रहे पद कुछ माह पूर्व नगर पलिया कलॉं काल रात्रि मंदिर के निकट स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग होम के प्राइवेट डॉक्टर की तैनाती की गयी थी। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों का संरक्षण प्राप्त डॉक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले नेपाली एवं थारू समुदाय के पीड़ित मरीजों का जमकर आर्थिक शोषण करने लगा जिससे उक्त स्वास्थ्य केन्द्र आपसी बटवारे को लेकर गुटबाजी होनी लगी और काफी समय तक विवाद चला इस दौरान थारू क्षेत्र की भोली भाली जनता स्वास्थ्य सेवाओं से बंचित रही है जब पड़ोसी मुल्क नेपाल एवं थारू क्षेत्र की जनता ने उक्त डॉक्टर की अवैध बसूली , स्वास्थ्य केंद्र चल रहे प्राइबेट मेडिकल स्टोर एवं सामान्य मरीजो को गंभीर दर्शा कर अपने निजी नर्सिंग होम में रेफर करने की शिकायत की तो संबंधित बिभाग के उच्चाधिकारियों ने डॉक्टर की महत्व कांक्षाओ को प्राथमिकता देते हुए जन समुदाय की शिकायतों को अनसुना कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली।

अलीगढ़,समाज के अंतिम वर्ग तक जागरूकता से ही हारेगा कोरोना

ध्अलीगढ़। अलीगढ़ महानगर में जहां एक और कोरोना वायरस तेजी से बढ़ रहा है तो वहीं इस महामारी में कोरोनावायरस से बचाव हेतु समाज सेवा में लोग लगे हुए हैं अलीगढ़ का एक ऐसा ही नजारा जहां अलीगढ़ एसएसपी ऑफिस के सीसीटीएनएस प्रभारी अरविंद उपाध्याय देश सेवा के साथ साथ समाज सेवा में तत्पर लगे हुए हैं सीसीटीएनएस के प्रभारी अरविंद उपाध्याय आज अपने ड्यूटी के दौरान अपना कुछ कीमती समय निकालकर समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति ही कोरोना से जंग जीत जायेगा। अरविंद उपाध्याय ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कोविड– १६ से बचाव हेतु प्रतिबद्ध हैं तो हम सबको उसकी अल्प में जीवन संकल्प की भावना से प्रेरित होकर कोरोना वायरस से डरना नहीं बल्कि महत्वपूर्ण सावधानियां जैसे मास्क से ढ़ककर ही घर से निकलना हाथों को बार–बार धोते रहना है, सामाजिक दूरी का विशेष रूप से ध्यान रखकर कोविड–१६ को फैलने से रोकने में सहयोग करना चाहिए।

सूचना

बेसिक विद्यालय बरौली खलीलाबाद नगर क्षेत्र, जोन-एक लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-21** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय बरौली खलीलाबाद नगर क्षेत्र, जोन–एक अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा **1** से **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **08-06-2020** से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– **12-06-2020** को समय प्रातः **10** बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय बरौली खलीलाबाद
नगर क्षेत्र जोन .1, लखनऊ।

सूचना

बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा नगर क्षेत्र, जोन-एक लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-21** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा नगर क्षेत्र, जोन–एक अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा **1** से **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **08-06-2020** से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– **12-06-2020** को समय प्रातः **10** बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा
नगर क्षेत्र जोन .1, लखनऊ।

अनलॉक के दूसरे चरण में सभी अस्पतालों का नियमित निरीक्षण हो :cm योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार से अनलॉक के दूसरे चरण में सभी अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करने और राजस्व संबंधी गतिविधि को तेज करने आज आदेश दिया। आदित्यनाथ रविवार को कल से शुरू होने वाले दूसरे अनलाक के बारे में अपने सरकारी आवास पर अधिकारियों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड एवं नॉन कोविड अस्पतालों का नियमित निरीक्षण किया जाए और क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन में पुख्ता इंतजाम किया जाय। सभी जिलों में जिलाधिकारियों के सहयोग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, उनसे समन्वय बनाते हुए काम होने चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी मण्डलायुक्त अपने–अपने मण्डलों में विकास व राजस्व सम्बन्धी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समीक्षा करें और राजस्व प्राप्ति में तेजी लायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों

के शुरू होने के बाद एक्सप्रेस–वे, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, सड़क, नहर इत्यादि के निर्माण कार्यों में श्रमिकों को रोजगार दिया जा सकता है। उद्योग, कृषि, उद्यान, निर्माण आदि के क्षेत्र में रोजगार की सभी सम्भावनाओं को तलाशा जाना चाहिये। केन्द्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाओं में श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है, इससे उत्तर प्रदेश का नव निर्माण हो सकेगा। उन्होंने आदेश दिया कि १५ जून से श्रमिकों को रोजगार देने के सम्बन्ध में व्यापक कार्य योजना बना ली जाए। सभी श्रमिकों/कामगारों को भरण–पोषण भत्ता व राशन किट अवश्य दी जाए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को किराए के आवास उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार की योजना के तहत लाभान्वित करने के सम्बन्ध में कार्य योजना तैयार कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर आगरा, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, गौतमबुद्ध नगर तथा फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेजों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

सेवा के बाद राम रोटी परिवार ने अपने सार्वजनिक राशन वितरण व कम्युनिटी किचन का किया समापन

लखनऊ। राम रोटी परिवार द्वारा राजधानी लखनऊ में लक डाउन के प्रारम्भ से ही कम्युनिटी किचन और राशन वितरण का सार्वजनिक कार्यक्रम रविवार ७ जून को राशन वितरण से ही सम्पन्न हुआ। इस दौरान मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर व एसडीएम सरोजनीनगर प्रफुल्ल त्रिपाठी भी मौजूद रहे। राम रोटी परिवार द्वारा लक डाउन के प्रथम दिन से ही प्रवासी मजदूरों, गरीब दैनिक मजदूरों और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों की मदद के लिए कम्युनिटी किचन शुरू की गई व राशन वितरण का भी कार्यक्रम

किया गया। राम रोटी परिवार ने सरोजनीनगर विधानसभा में ४ गांवों को गोद लेने के साथ साथ राजधानी लखनऊ भर में करीब २०००० लोगों को राशन दिया भोजन दिया। इसके अलावा राम रोटी परिवार ने सेनेटाइजेशन का भी काम किया और अनेक गरीबों को आर्थिक मदद भी दी। समापन में राम रोटी परिवार से अंशुमान दुबे, रोहित नितिन सैनी, आदित्य सिंह राठौर, विकास शुक्ला, संजय बनर्जी अनामिका सिंह, शिखा, नेहा, शालू, स्वप्निल, रिपुंजय, मनीष सिंह, ज्ञानेश लोहानी, शशांक अग्निहोत्री आदि शामिल रहे।

मंदिर खोलने की भी पूरी हूई तैयारीं

शिकोहाबाद। नगर के हाइवे किनारे बने प्रसिद्ध बालाजी मंदिर पर प्रत्येक मंगलवार, शनिवार को हजारों श्रृद्घालुओं की भीड उमडती है। इस बारे में मदिंर के मंहत मनीष भारद्वाज ने बताया

कि शासन की गाइड लाइन के अनुसार मंदिर प्रशासन ने व्यवस्था की है। मंदिर को सेनेटाइज कराया जा रहा है तथा प्रत्येक गेट पर श्रृद्घालुओ के लिए साबुन को रखा गया है। जिससे दर्शनार्थी हाथ धोकर मंदिर में जाएं। मंदिर में प्रसाद का वितरण, मूर्ति को छूने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। ऐसे में भारी भीड को देखते हुए शासन द्वारा केवल एक बार में मंदिर परिषर में पांच लोगों के एक साथ दर्शन करने की अनुमति दी है। इसके लिए मंदिर परिषर में जगह जगह बैरीकेटिंग की गई है। मंदिर में प्रवेश द्वार से प्रवेश देने के बाद दूसरे गेट से ही भक्तों को बाहर जाने की अनुमति दी गई है। उस गेट पर भी बैरीकेटिंग की है। मंदिर को सेनेटाइज कराया जा रहा है। दर्शन को आने वाले श्रृद्घालुओं के गेट पर ही हाथ सेनेटाइज से धुलाने के बाद ही प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही अन्य देवी देवताओं के दर्शन के लिए श्रृद्घालुओं के लिए व्यवस्था की गई है। शासन के द्वारा निर्धारित आदेशो का पालन कराया जाएगा। इस बारे में एसडीएम नरेन्द्र सिंह ने बताया कि मंदिर प्रशासन को शारीरिक दूरी का पालन कराना होगा। सभी लोग मस्क आदि पहनकर ही मंदिर जाएं। शासन के दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जायेगा। वहां मे प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। कंटेनमेंट जॉन मे बंद रहेगा पथवारी मदिंर और लक्ष्मी नारायण मदिंरहर जगह मदिंर खोले जाएगें लेकिन पथवारी मदिंर के पास एक शिक्षक के पॉजिटिव मिलने के बाद प्रशासन ने वहां के आस पास का २५० मीटर का एरिया सील कर दिया है। इसलिये वहां बने पथवारी मदिंर,श्री और लक्ष्मी नारायण मदिंर को नही खोला जाएगा। और नगर के काली देवी मदिंर, दूईया वाला मदिंर, चौमुखी मदिंर, रीठरा वाला मदिंर सहित कई मदिंर खोले जाएगें।

एडवेंचर टिकटॉक के चक्कर मैक्स चार युवक पहुंचे हवालात

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार तड़के सार्वजनिक स्थल पर हॉरर टिकटॉक बनाने के चक्कर मे क्षेत्र में दहशत फैलाने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने चार युवकों हिरासत में लेकर शांति भंग की धाराओं में कार्यवाही किया है। आशियाना थाना प्रभारी संजय राय ने जानकारी देते हुए बताया कि शारदा नगर के रजनीखंड के चार युवक अनूप कुमार पुत्र धर्मेंद्र कुमार, अमित कुमार पुत्र धर्मेंद्र कुमार,सोनू यादव पुत्र रमेश यादव व मोनू यादव पुत्र रमेश यादव प्रातः लगभग ५:०० बजे रतन खंड स्थित पार्क में अपने चेहरों व शरीर पर हॉरर मॉस्क पहन टिकटक पर हॉरर मूवी बना रहे थे इस दौरान सुबह टहलने के लिए निकले दंपत्ति दहशत में आ गए वहीं लोगो को दहशत में देख गस्त पर निकली स्थानीय थाने की पुलिस युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस की गिरफ्त में आये युवकों पर सार्वजनिक स्थल पर दहशत फैलाने के आरोप में शांति भंग की धाराओं में कार्यवाही किया गया है।

जी/६५ कंपनी सीआरपीएफ ने २०० जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की

लखनऊ। डालीगंज में गुरुवार को जी/६५ कंपनी, सीआरपीएफ, सरोजनी नगर, लखनऊ के जवानों ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए कोतवाली हसनगंज कंपाउंड, मनकामेश्वर वार्ड के कैलाश व नंदगांव हाता में सेनेटाईजेशन कर लगभग २०० जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री(लाई, भूना चना, गुड़, बिस्किट एवं पानी के पाउच) वितरित की। डालीगंज, में श्री मनकामेश्वर मंदिर के पास आज रविवार को सीआरपीएफ जी/६५ कंपनी के असिस्टेंड कमांडेंड सुरेश चन्द्र त्रिपाठी अपनी टीम के साथ डालीगंज पहुंचे जहां उन्होंने उपाध्यक्षस कावा (सीआरपीएफ वाईब्स वेलफेयर एसोसिएशन) ६५ बटालियन के द्वारा उपलब्ध कराई गई उपरोक्त खाद्य सामग्री पैकेट मनकामेश्वर वार्ड के २०० जरूरतमंद महिलाओं और पुरुषों को खाद्य सामग्री जिसमें सोशल डीस्टेंसिंग के मानकों का पालन करते हुए मनकामेश्वर वार्ड के पार्षद के पति महोदय ,एडवोकेट अनूप बाजपेई एवं उपाध्यकचा बूं ६५ बटालियन श्रीमती आरती मिश्रा जी की उपस्थिति में वितरित की गई। जिसके बाद असिस्टेंट कमांडेंड श्री त्रिपाठी के नेतृत्व में कोविड–१६ से बचाव के कार्यों को अपना सामाजिक दायित्व शुरू से बड़ी ही निष्ठा से निभा रही है। कावा ६५ बटालियन की उपाध्यक्षस श्रीमती आरती मिश्रा एवं उनके सहयोगियों समाज सेवको

उनकी टीम ने हसनगंज कोतवालीपरिसर एवं मनकामेश्वर वार्ड के कैलाश हाता एवं नंदलाल हाता इलाकों में सेनेटाईजेशन किया गया। असिस्टेंट कमांडेंड सुरेश चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि ६५ बटालियन सीआरपीएफ, वाराणसी के कमांडेंड श्री नरेन्द्र पाल सिंह, पीएमजी की निगरानी में, जी/६५ कंपनी सरोजनी नगर लखनऊ अपनी ड्यूटी के अतरिक्त तथा दान दाताओ द्वारा उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री बटालियन के जवानों ने जरूरतमंद लोगों को राहत सामग्री बांटी। उन्होंने बताया इसके आलावा देश में जारी लाक डाउन अवधि के दौरान प्रशासन ने निधारित आपदा केन्द्रों की ओर दी जा रही सुविधाओं जैसे मेडिकल, परिवहन के साथ अन्य आपातकालीन सहायता

बाल चौपाल आनंद भोग मुहिम के तहत सरोकार गंगा का आयोजन हुआ

लखनऊ। कोरोना महामारी के कारण जरुरतमंद लोगों की मदद के लिये लॉक डाउन के पहले दिन से पुलिस दम्पति सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व और रीना पाण्डेय द्वारा बाल चौपाल आनंद भोग मुहिम के तहत निरन्तर की जा रही आनंद भोग सेवा के ७७ वें दिवस पर आज पाण्डेय जनरल स्टोर के सामने, बंगला बाजार तिराहे पर जरूरतमंदों के सहयोग हेतु आयोजित 'सरोकार गंगा' कार्यक्रम में माननीय वीरेन्द्र कुमार तिवारी राज्य मंत्री (चौयरमैन यू .पी .सी .एल. डी .एफ .) ने पुलिस दम्पति सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व और रीना पाण्डेय के सहयोग से गरीब महिलाओं , मजदूरों , असहाय , दिव्यांग लोगों के साथ– साथ बच्चों को फलों का राजा आम भेंट करने के साथ –साथ कच्चा राशन , मास्क , ग्लव्स , साबुन , बिस्किट , चिप्स , फ्रूटी , केला और पूड़ी –सब्जी आदि का वितरण किया। इस अवसर पर बाल चौपाल स्ट्रेस सल्यूशन्स टीम प्रभारी के डॉ . शाश्वत सक्सेना द्वारा कोरोना संक्रमण बचाव से सम्बंधित जानकारी भी लोगों को दी गई । गरीब महिलाओं को सेनेटरी पैड, मास्क , आयरन – जिंक सिरप , कैल्शियम टैबलेट, फल आदि का वितरण किया गया । दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री वीरेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा बाल चौपाल आनन्द भोग मुहिम एवम स्ट्रेस सॉल्यूशन्स हेल्प लाइन के सहयोगी डॉ. शाश्वत सक्सेना, बीना पाण्डेय, कैलाश नाथ तिवारी, अभिषेक पाण्डेय, पिऊ घोष, विप्लव घोष, आनन्द कृष्ण मिश्रा , सारिका बिहारी एवम सुमित पाठक,

धीरेन्द्र मिश्रा, श्रीनिवास सिंह (मोनू सिंह) सहित कई पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

ताऊ की हत्या करने का आरोपी भतीजा पहुंचा जेल

फिरोजाबाद। थाना जसराना पुलिस ने ताऊ की हत्या करने के आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल्हाड़ी बरामद की है। जसराना थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांव पचवा निवासी राजबहादुर की छ दिन पूर्व जमीन की खातिर उसके ही भतीजे रामू ने कुल्हाड़ी से काटकर नृसंस हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार था। पुलिस उसकी तलाश में थी। रविवार को जसराना पुलिस ने आरोपी को घिरोरा चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की है। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। इसी थाना पुलिस ने एक अन्य मामले में दुर्वेश देवी पत्नी नीलेश निवासी मचन व ललिता देवी पत्नी हरिकेश निवासी मचन को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सड़क हादसे में साले की मौत, बहिनोई घायल

फिरोजाबाद। थाना फरिहा क्षेत्र अन्तर्गत अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साईकिल सवार एक युवक की मौत हो गयी। जबकि उसका बहिनोई घायल हो गया। पुलिस ने घायल को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। थाना जसराना के गांव नगला पीपल निवासी सत्यप्रकाश (१६) पुत्र गौरीशंकर थाना एका के गांव खंजापुर, निधौली कला निवासी अपने बहिनोई भीषमपाल (४०) पुत्र जयसिंह के साथ मोटर

साईकिल पर सवार होकर उसके घर गांव निधौली कला जा रहा था। बताया जाता है कि जैसे ही मोटर साईकिल थाना फरिहा क्षेत्र अन्तर्गत गांव मछरिया के समीप पहुंची तभी अचानक किसी अज्ञात वाहन ने मोटर साईकिल में टक्कर मार दी। हादसे में सत्यप्रकाश की मौत हो गयी। जबकि उसका बहिनोई भीषमपाल घायल हो गया। दुर्घटना देख आस पास के ग्रामीण भी आ गये। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल आयी है। अन्य सड़क हादसों में रिजवान पुत्र अलाउद्दीन जेथरा एटा, प्रवेश पुत्र जवर सिंह ककरारा मैनपुरी व रोहन सिंह पुत्र अर्जुन सिंह रुधऊ मैनपुरी घायल हो गये।

पूर्व सैनिक स्वास्थ्य कर्मी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

शिकोहाबादः आवास विकास कॉलोनी स्थित मेजर रामवीर सिंह शिक्षण संस्थान ने रविवार को कोविड–१६ के ष्टिगत पूर्व सैनिक कल्याण समिति के द्वारा पूर्व सैनिक स्वास्थ्य कर्मी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे शारीरिक दूरी का पालन करते हुए सभी पूर्व सैनिकों ने हाथों को सैनिटाइजेशन करके व सूबेदार मेजर रामवीर सिंह व इंजीनियर रामब्रेश यादव ने मुख्य अतिथि कमांडिंग अफीसर फिरोजाबाद ईसीएचएस विजेंद्र सिंह यादव का माल्यापर्ण व शल ओढ़ाकर स्वागत किया। उसके बाद पूर्व सैनिकों ने अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें पूर्व सैनिक कल्याण समिति के द्वारा कोरोना महामारी में स्वास्थ्य सेवाओं के द्वारा जो सहयोग कोरना योद्धाओं के रूप में विजेंद्र सिंह यादव ने दिया है। उसका सभी पूर्व सैनिकों ने सराहना की और आभार वयक्त किया। और कमांडिंग अफिसर बृजेंद्र सिंह यादव ने कोरोना महामारी चल रही है। उसके बारे में सभी पूर्व सैनिकों को व समिति के अन्य लोगों को विस्तृत जानकारी दी। हमें किस तरह इस कोरोना महामारी से बचना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूबेदार मेजर रामवीर सिंह यादव ने की और संचालन इंजीनियर रामब्रेश यादव ने किया। इस मौके पर सूबेदार राम अवतार यादव, सूबेदार दान सिंह, नायब सूबेदार ज्ञानी राम ,नायब सूबेदारअनवर सिंह यादव ,हवलदार दलवीर सिंह ,हवलदार प्रमोद कुमार यादव ,हवलदार जगजीत सिंह, नायक सुरेंद्र सिंह यादव, सीमेंन हामिद हुसैन आदि लोग मौजूद रहे।

पलिया निघासन रोड हुई जर्जर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ी

लखीमपुर खीरी। संसदीय क्षेत्र खीरी के जनप्रतिनिधि सांसद जी व विधानसभा १३७ पलिया कलां के जनप्रनिधि विधायक का ध्यान इस क्षतिग्रस्त मार्ग की ओर आकर्षित करते हुए स्थानीय जनता का कहना है कि पलिया निघासन रोड जो पलिया से मझगईं तक बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। आने जाने में आमजन को बहुत ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर रोड़ के कारण आये दिन दुर्घटनाये होती रहती है। गढ्ढों को आये दिन मिट्टी से भर दिया जाता है जो बारिश होते ही दलदल का रूप ले लेते हैं जिससे आम जन को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसको लेकर आमजन में काफी रोष व्याप्त है।

जन कल्याणकारी योजना के तहत क्षेत्र के स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर हुई चर्चा

लखीमपुर–खीरी। आए दिन चर्चा में रहने वाले बिजुआ अस्पताल से संबंधित एक बैठक गत दिवस आयोजित की गई जिसमें जिला उपाध्यक्ष विमल सिंह आज बिजुआ अस्पताल पहुँचे सीएचसी प्रभारी को अस्पताल कर्मचारियों के द्वारा अवैध वसूली के विषय को अवगत कराया और तत्कालीन कठोर कार्रवाई करने की मांग की सरकारी अस्पताल में कर्मचारियों द्वारा स्टाफ नर्स के अलावा एक 'दउ अनुपम बगियाखेड़ा ने मरीज से ३००० रुपये मानते जिसकी जानकारी प्रभारी महोदय को दे दे तो उन्होंने संबंधित लोगों को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अब यदि भविष्य में कोई ऐसा मैटर सामने आता है तो सीधे विभागीय कार्रवाई की जाएगी उसके बाद प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना के युवा प्रभाग के प्रदेश महामंत्री अवतार सिंह भी सीएचसी अचानक अचक निरीक्षण करने पहुंच गए व कल जिला उपाध्यक्ष वाले मसले को लेकर सीएचसी अधीक्षक से बात की जिसपर अधीक्षक अमित सिंह ने स्टाफ नर्स को फटकार लगाई व चेतावनी दी अगर आगे कोई शिकायत आयी तो आपके खिलाफ सख्त कार्यवाही होगी स्टाफ नर्स ने जिला उपाध्यक्ष से माफी मांगी व अगली बार गलती नही होनी की बात कही वही 'दउ अनुपम ने भी माफी मांगी व ३००० रुपये वापस देने की बात स्वीकार की''इस मौके पर प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना के जिला अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने सीएचसी प्रभारी से वार्ता कर कहा की स्टाफ के दुवारा जो मरीजो से पैसे लेने का चलन चल रहा है इसपर रोक लग जाये वर्ना सीधी कार्यवाही पर होगी आज निरीक्षण में प्रधानमंत्री जनकल्याण योजना युवा प्रभार के प्रदेश महामंत्री अवतार राय सिंह ,नितिन अग्रवाल, महामंत्री प्रदीप उपाध्यक्ष प्रदीप पाल मौजूद रहे 'प्रदेश जिला महामंत्री ने एक अपील की है आम जनता से आप सभी सीएचसी व पीएचसी ,उपकेंद्र स्वास्थ्य विभाग पर निःशुल्क इलाज का लाभ लें।

सूचना

बेसिक विद्यालय उतरठिया नगर क्षेत्र, जोन–एक लखनऊ।

निवेदन है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-21** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु बेसिक विद्यालय उतरठिया नगर क्षेत्र, जोन–एक अल्पकालिक निविदा/टेण्डर आपूर्तिकर्ताओं/फर्म से निम्न विवरण के अनुसार अध्ययनरत कक्षा **1** से **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **08-06-2020** से आमन्त्रित की जाती हैं।

जो दिनांक– **12-06-2020** को समय प्रातः **10** बजे विद्यालय प्रबन्ध समिति के समक्ष खोले जायेंगे तथा समिति द्वारा यूनीफार्म की गुणवत्ता के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

नोट– निर्धारित तिथि व निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक
बेसिक विद्यालय उतरठिया
नगर क्षेत्र जोन .1, लखनऊ।

प्रतिष्ठित बेकरी के क्रीम रोल में मिला कीड़ा

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में स्थित एक प्रतिष्ठित बेकरी में महिला ग्राहक को बेची गई क्रिमरोल में कीड़ा निकलने से

हड़कंप मच गया। बेकरी पहुंची महिला ने जमकर हंगामा काटा वहीं महिला ग्राहक के समर्थन में अन्य व्यापारी भी उतर गए। बेकरी संचालक ने अन्य व्यापारियों को एकत्र होता देख मानमुनौव्वल में जुट गया और महिला ग्राहक से माफी मांगने के बाद मामला शांत हुआ।आशियाना क्षेत्र के सेक्टर एम मकान संख्या ६३६ में रहने वाली सीमा मिश्रा अपने पुत्री संग शनिवार शाम लगभग ७रू३० बजे खजाना मार्केट के सामने स्थित बृजवासी बेकरी से क्रिमरोल समेत अन्य सामानों की खरीदारी कर पैकिंग करा घर ले गई थी वहीं रविवार दोपहर जब क्रिमरोल का पैकेट खोला तो क्रिमरोल के भीतर कीड़े रेंगते हुए मिले जिसपर महिला ने बेकरी पर पहुंचकर जमकर हंगामा काटना शुरू कर दिया वहीं महिला को आक्रोशित देख अन्य व्यापारियों ने मामले को समझ महिला के समर्थन पर उतर गए। जिसकी जानकारी बेकरी कर्मचारियों ने हंगामे की जानकारी अपने मालिक को दी। हंगामा की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे बेकरी संचालक राजकुमार पिपलानी ने महिला को अपनी ऊंची पहुंच की बात कह अदब में लेने का प्रयास करते रहे लेकिन अन्य व्यापारियों का बढ़ता दबाव देख नतमस्तक हो गए और महिला से माफी मांग मानमुनौव्वल में जुट गए और मामले को तूल न देने की मिन्नते करने लगे जिसपर महिला का आक्रोश शांत हुआ और महिला ने मामले को रफादफा कर दिया।

घायल पडे युवक को सिपाही ने बाइक से पहुंचाया हास्पिटल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली में तैनात आरक्षी गिरीश चन्द तिवारी ने पेश की मानवता की मिसाल। दर्द से तड़प रहे युवक को एंबुलेंस ना पहुंचने पर बिना देर किए अपनी बाइक से पहुंचाया अस्पताल मामला राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कस्बे में पुरानी पेट्रोल पम्प के सामने का है जहाँ बाइक सवार रायबरेली से लखनऊ अपने घर की ओर जा रहा था। मोहनलालगंज पहुंचते ही पुराने पेट्रोल टंकी के सामने अचानक गाड़ी के सामने आ जाने से वह अपना नियंत्रण बिगड़ने से घायल हो गया लोगों ने एंबुलेंस को फोन मिलाया पर मौके पर एंबुलेंस नहीं पहुंची स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस के आरक्षी गिरीश चन्द्र तिवारी ने बिना देर किए युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज पहुंचाया जहां उसका उपचार शुरू हुआ। गिरीश तिवारी के सराहनीय कार्य का लोगों ने सराहना की।

कृष्णा नगर पुलिस ने दस हजार का इनामिया को किया गिरफ्तार

लखनऊ। कृष्णा नगर पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर फरार चल रहे दस हजार रुपए का इनामिया को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं पकड़ा गया शातिर ललित

सोनकर गिरोह का सक्रिय सदस्य हैं। जिसके ऊपर हत्या के प्रयास ,गेगेस्टर व जान से मारने की ध मकी देने के कई मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के खिलाफ कार्यवाही कर जेल भेज दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी धीरेन्द्र उपाध्याय ने पकड़े गए शातिर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मूल रूप से ग्राम डेलुवापुर थाना इमलिया सुल्तानपुर जनपद सीतापुर का रहने वालारवि मिश्रा उर्फ पंकज पंडित पुत्र भण्डारी मिश्रा उर्फ तोता राम आशियाना थाना क्षेत्र स्थित देवी खेड़ा में एक किराए के मकान में रहता है मुखविर की सूचना पर शातिर को रविवार दोपहर गंगा खेड़ा से गिरफ्तार किया गया है। जिसके विरुद्ध गेगेस्टर एक्ट, जान से मारने का प्रयास व जान से मारने की धमकी का मुकदमा स्थानीय थाने में दर्ज है। गिरफ्तार शातिर ललित सोनकर गिरोह का सक्रिय सदस्य है। शातिर पर दर्ज मुकदमे में कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

लखनऊ। हजरतगंज जनपद में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की रिहाई को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ता पोस्टर लगाने आए थे। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। पुलिस कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

राष्टीय अध्यक्ष ने बहादुरों को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

लखनऊ। राष्ट्रीय कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनोद कुमार रावत ने किशोरी को बचाने वाले बहादुरों के घर जाकर सम्मानित किया विदित हो कि शुक्रवार ५ बाहर निकाल लिया और बहादुरों की मदद से किशोरी अपने होशो हवास में आ चुकी थी शाबाशी शिवा रावत एवं कामता रावत को मिलनी चाहिए जबकि वहां

जून गोसाईगंज थाना स्थित इंदिरा नहर सिठोली पुल के पास किशोरी ने नहर में छलांग लगा दी पुल के पास बैठे दो व्यक्ति शिवा रावत एवं कामता रावत ने किशोरी को नहर में डूबते हुए देखा उसने बिना देरी किए हुए अपनी जान को जोखिम में डालकर किशोरी को सकुशल पर मौजूद न रहने वाले व्यक्ति अनमोल विश्वकर्मा व उदित विश्वकर्मा की राष्ट्रीय कल्याण मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शिवा के आवास पर जाकर सम्मानित किया और इस महान कार्य के लिए बधाई भी दी शिवा एवं कामता को इस बहादुरी को सलाम करता है।

शाह ने नीतीश को नेता घोषित किया

पटना। कोरोना वायरस के संकट के भयावह होते जाने के बीच भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में विधानसभा चुनाव के प्रचार का आगाज कर दिया है। अमित शाह ने रविवार को एक वर्चुअल रैली की, जिसे सफल बनाने में बिहार भाजपा ने पूरी ताकत झोंकी थी। भाजपा का कहना है कि फेसबुक पर १४ लाख लोगों ने यह रैली देखी। यह भी कहा जा रहा है कि यूट्यूब पर डेढ़ लाख और ट्विटर पर ६५ लाख से ज्यादा लोगों ने इस रैली को देखा। बहरहाल, अमित शाह ने इस रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जम कर तारीफ की और ऐलान किया कि बिहार में एनडीए इस बार का विधानसभा चुनाव भी नीतीश के चेहरे पर लड़ेगा। अमित शाह पहले भी इसकी घोषणा कर चुके हैं। रविवार के उनके भाषण की खास बात यह रही कि उन्होंने भाजपा के नेता और उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की भी जम कर तारीफ की। उन्होंने एक तरह से यह संकेत दिया कि नीतीश के साथ साथ सुशील मोदी भी चेहरा होंगे। अमित शाह ने अपने भाषण में कहा– नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बिहार में चुनाव लड़ा जाएगा। आने वाले दिनों में

बिहार में चुनाव हैं। मेरा मानना है कि नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी, लेकिन यह राजनीति का समय नहीं है। हम सभी को मोदी जी के नेतृत्व में कोरोना वायरस से लड़ना चाहिए। अमित शाह ने नीतीश कुमार और सुशील मोदी की तारीफ करते हुए कहा– नीतीश जी और सुशील जी दोनों प्रसिद्धि करने में थोड़े से कच्चे हैं। वे रोड़ पर खड़े होकर थाली नहीं बजाते हैं, वो चुपचाप सहायता के लिए काम करने वाले लोग हैं। नीतीश जी और सुशील जी के नेतृत्व में बिहार सरकार ने बहुत अच्छे से ये लड़ाई लड़ी है। लालू प्रसाद और उनके परिवार के ऊपर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा– मैं परिवारवादी लोगों को आज कहता हूं कि अपना चेहरा आईना मैं देख लीजिए, १६६०–२००५ इनके शासन में बिहार की विकास दर ३.१६ फीसदी थी, आज नीतीश जी के नेतृत्व में ये ११.३ प्रतिशत तक विकास दर पहुंचाने का काम एनडीए की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा– बिहार में हम लालटेन युग से एलईडी युग तक आए हैं। लालू प्रसाद की राजद के शासन को निशाना बनाते हुए शाह ने कहा– लूट एंड ऑर्डर से लॉ एंड ऑर्डर तक की यात्रा हमने की है। जंगल राज से जनता राज तक हम आए हैं। बाहुबल से विकास बल तक आए हैं और चारा घोटाले से डीबीटी तक की यात्रा मोदी जी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक तय की है। शाह ने कहा– बिहार के लिए जो सवा लाख करोड़ रुपए का पैकेज हमने दिया था तो उसे हमने वास्तविकता में बदलने का काम किया है।

कोरोना से चार लाख से ज्यादा मौतें!

नई दिल्ली। दुनिया भर में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के बीच इस संक्रमण से मरने वालों की संख्या चार लाख से ज्यादा हो गई है। शनिवार से रविवार की सुबह तक २४ घंटे में दुनिया भर में चार हजार से कुछ ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा चार लाख की सीमा पार करके चार लाख तीन हजार पहुंच गया। दुनिया भर में रोजाना औसतन तीन से पांच हजार लोगों की मौत हो रही है। मरने वालों की संख्या भले स्थिर पर संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। शनिवार रविवार की सुबह तक २४ घंटे में दुनिया भर में सवा लाख से ज्यादा नए संक्रमित मिले, जिससे दुनिया में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ७० लाख से ज्यादा हो

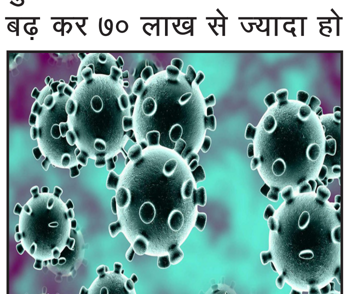

गई। इससे एक दिन पहले डेढ़ लाख नए मरीज मिले थे। बहरहाल, सवा लाख से ज्यादा नए मामले आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर ७० लाख २६ हजार हो गई। इनमें से ३४ लाख ३५ हजार लोग इलाज से ठीक हुए हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमित अमेरिका में मरने वालों का आंकड़ा एक लाख १२ हजार से ज्यादा हो गया है। अमेरिका में संक्रमितों की संख्या रविवार की सुबह तक १६ लाख ६२ हजार से कुछ ज्यादा थी। अमेरिका में अब भी ११ लाख २८ हजार से कुछ ज्यादा एक्टिव मामले हैं। लेकिन इनकी संख्या में तेजी से कमी आ रही है। सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयर्क में संक्रमितों और मरने वालों की संख्या में बड़ी कमी आई है। अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा प्रभावित ब्राजील में संक्रमितों की संख्या छह लाख ७७ हजार से ज्यादा हो गई है। तेजी से बढ़ते आंकड़ों की वजह से वहां कोरोना से जुड़े आंकड़े शनिवार को वेबसाइट से हटा दिए। इस वेबसाइट पर देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या, मौत और इससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बताई जा रही थी। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने संक्रमितों की कुल संख्या जारी करना भी बंद कर दिया। ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने कहा कि कोरोना के बढ़ते आंकड़े देश के मौजूदा हालात नहीं बताते। मामलों को कम करने की कोशिश जारी है। ब्राजील में ३६ हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तीसरे सबसे अधिक संक्रमित देश रूस में संक्रमितों की संख्या चार लाख ६७ हजार से ज्यादा हो गई और ५८ सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

‘डीएम–एसपी ने धर्मगुरूओं के साथ की बैठक, आज से प्रतिबंधों के साथ खुलेंगें धर्मस्थलों के कपाट’

धर्मस्थलों पर गाइडलाइन के शत प्रतिशत अनुपालन के साथ ही सोशलडिस्टेन्सिंग, मास्क व फेसकवर हुआ अनिवार्य

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। रविवार को जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक पूनम ने धर्मगुरूओं के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की सोमवार से जिले के सभी धर्मस्थलों को खोले जाने पर विस्तृत चर्चा की और धर्मस्थलों को खोलने हेतु जारी गाइडलाइन के सम्बन्ध में जानकारी देकर इसका अक्षरक्षः अनुपालन करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा आपसब के सहयोग एवं सूझबूझ का ही नतीजा है, समुदाय में कोविड संक्रमण का प्रसार नही हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों में कोविड के बढ़ते प्रसार के दृष्टिगत आगे भी इसी प्रकार और अधिक सर्तकता एवं सावधानी बरतने की आवश्यकता है, जिससे स्वयं के साथ–साथ समूचे जनपद को कोविड के संक्रमण से बचाया जा सकता है। उन्होनें कहा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुक्रम में जिला प्रशासन द्वारा धर्मस्थलों को खोलने के सम्बन्ध में जारी गाइडलाइन्स एवं एडवाइजरी का अक्षरशः अनुपालन किया जाय। सोमवार से जिले में कन्टेनमेंट जोन को छोड़कर शेष स्थानों में धार्मिक पूजा स्थल खोले जा सकते है। धर्मस्थलों में एक बार में पांच से अधिक लोग प्रवेश नही कर सकेगे। पूर्व की भांति आपसभी अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हुए गाइडलाइन का ध र्मस्थलों में शत प्रतिशत अनुपालन करायेगे। इसमें प्रशासन आपके हर अपेक्षित सहयोग के लिए तत्पर है। गाइडलाइन का अनुपालन कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह तत्पर है। डीएम ने कहा कि धर्मस्थलों पर प्रसाद के वितरण एवं जल के छिड़काव के लिए मनाही रहेगी। पुलिस अधीक्षक पूनम ने जारी गाइडलाइन्स के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रत्येक धर्म–स्थल के अन्दर एक बार में एक स्थान पर ०५ से अधिक श्रद्धालु न हो। प्रवेश–द्वार पर हाथों को कीटाणु–रहित करने हेतु एल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का प्रयोग किया जाए एवं इन्फ्रारेड–थर्मामीटर की भी व्यवस्था यथासम्भव की जाए। जिन व्यक्तियों में कोई लक्षण प्रदर्शित नही होगा केवल उन्हें ही परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। सभी प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को फेस–कवरध्मास्क का प्रयोग करना अनिवार्य होगा। कोविड–१६ महामारी के सम्बन्ध में रोकथाम सम्बन्धी उपायों के रूप में जन–जागरूकता के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु परिसर में पोस्टरध्स्टैन्डीज का प्रयोग प्रमुखता से करना होगा। जहां तक सम्भव हो आने वाले व्यक्तियों को विभिन्न समूहों में विभाजित करते हुए परिसर में प्रवेश करने की व्यवस्था की जाए जिससे कि अनावश्यक भीड़–भाड़ न हो और संक्रमण का प्रसार न होने पाये। यह सुनिश्चित किया जाय कि एक स्थान पर एक समय में पाँच से अधिक व्यक्ति एकत्रित न हो। जूते/चप्पलों को अपने वाहन इत्यादि में ही उतार कर रखना अपेक्षित होगा। यदि आवश्यक हो तो इन्हें प्रत्येक व्यक्तिध्परिवार द्वारा स्वंय ही अलग–अलग खांचो/ब्लाक में रखना होगा। परिसरों के बाहर पार्किंग स्थलों पर भीड़ प्रबन्धन करते समय सोशल–डिस्टेंन्सिग का कड़ाई से अनुपालन करना होगा। पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम/माइक से सभी व्यक्तियों/आगन्तुकों को कोविड–१६ संक्रमण से बचाव के बारे में लगातार जागरुक किया जाए। परिसर के बाहर स्थित किसी भी प्रकार की दुकानों, स्टॉल, कैफेटेरिया इत्यादि पर भी पूरे समय सोशल डिस्टेंन्सिग के मानकों का कड़ाई से अनुपालन करना होगा। सोशल–डिस्टेंन्सिग को सुनिश्चित करने हेतु परिसरों में व्यक्तियों के लाइन में खड़े होने के लिए स्पष्ट दृश्य निशान/चिन्ह अंकित कर दिए जायें। प्रवेश एवं निकास की यथासम्भव अलग–अलग व्यवस्था की जाए। लाइनों में सभी व्यक्ति एक–दूसरे से कम से कम ६ फिट की शारीरिक दूरी पर रहेंगे। बैठने के स्थानों को भी सोशल–डिस्टेन्सिंग के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। वेन्टिलेशन/एयर–कंडीशनरों आदि के साधनों के प्रयोग के समय तापमान २४–३० डिग्री के मध्य होना चाहिए आर्द्रता की सीमा ४० से ७० प्रतिशत के मध्य होनी चाहिए। क्रॉस–वैन्टिलेशन का प्रबन्धन इस प्रकार से होना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा ताजी हवा अन्दर आ सके। प्रतिरूप/मूर्तियों/पवित्र ग्रन्थों आदि को स्पर्श करने की अनुमति नहीं होगी। सभाएंध्मण्डली निषिद्ध रहेंगी। संक्रमण फैलने के खतरे के दृष्टिगत रिकार्ड किए हुए भक्ति–संगीतध्गाये बजाये जा सकते हैं, किन्तु समूह में इकठ्ठे होकर गायन की अनुमति नही होगी। प्रार्थना–सभाओं हेतु एक ही मैटध्दरी के प्रयोग से बचा जाए। श्रद्धालुओं को अपने लिए अलग मैट/दरी/चादर आदि लानी चाहिए, जिसे वह अपने साथ वापस भी ले जा सकते हों। धार्मिक स्थल के अन्दर किसी प्रकार के प्रसाद वितरण अथवा पवित्र–जल के छिड़काव आदि की अनुमति नहीं होगी। एक–दूसरे को बधाई देते समय शारीरिक सम्पर्क से बचना होगा। श्रद्धालु एवं पुजारी समेत कोई भी किसी को किसी रुप में स्पर्श न करें। लंगर/सामुदायिक–रसोई/अन्न–दान आदि हेतु भोजन तैयार/वितरित करते समय शारिरिक–दूरी के मानकों का अनुपालन करना होगा। परिसर के भीतर शौचालयों, हाथ–पैर धोने के स्थानों पर स्वच्छता हेतु विशेष उपाय करने होंगे। प्रबन्धन द्वारा धार्मिक स्थलों की लगातार सफाई और कीटाणु–रहित करने के उपाय करने होंगे। परिसर के फर्श को विशेष रूप से कई बार साफ करना होगा। आगन्तुक अपने फेस–कवर/मास्क/ग्लब्स आदि को सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ेंगे, यदि कहीं कोई ऐसी सामग्री रहती है तो उनका उचित निपटान सुनिश्चित करना होगा। सभी धर्मगुरुओं द्वारा प्रशासन को एक स्वर में पूरी संजीदगी से गाइडलाइन्स का अनुपालन करने हेतु आश्वस्त किया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० मनोज अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र लाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० आरपी दीक्षित, उपजिलाधिकारी सदर डॉ० अरूण कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी डॉ० अमरेश, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर विजय आनन्द, शहर कोतवाल अजय प्रकाश मिश्र सहित धर्मस्थलों के धर्मगुरू एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

धर्मस्थलों में एक बार में पांच से अधिक लोग प्रवेश नही कर सकेगे
प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था अलग-अलग द्वार से होगी
प्रसाद का वितरण नही होगा, सभाएं नही होगी
प्रतिरूप, मूर्तियों और ग्रंथों को स्पर्श करने की अनुमति नही होगी
प्रति दिन में कई बार हो धर्मस्थलों पर सेनेटाइनजेशन
कंटेनमेंट जोन में नहीं खुलेगे धार्मिक स्थल
साफ-सफाई एवं सोशल डिस्टेन्सिंग के साथ गुरूद्वारें में रहेगी लंगर व्यवस्था,

भारत पर दांव लगाने का इससे अच्छा समय नहीं : गौतम अडाणी

नई दिल्ली। अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी का मानना है कि भारत पर दांव लगाने का इससे अच्छा समय नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि दर में हालिया

गिरावट के बावजूद भारत दुनिया का प्रमुख उपभोग केंद्र होगा। साथ ही अगले कई दशक तक भारत दुनिया का विनिर्माण और सेवाओं का प्रमुख केंद्र रहेगा। बीते वित्त वर्ष २०१६–२० में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर ४.२ प्रतिशत पर आ गई है, जो इसका करीब एक दशक का निचला स्तर है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों के साथ भारतीय रिजर्व बैंक का भी अनुमान है कि कोरोना वायरस की वजह से लागू लकडाउन के चलते चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट आएगी। अडाणी गैस लि. की वार्षिक रिपोर्ट में अडाणी ने कहा, हमें यह समझना चाहिए कि कोई भी विचार पूरी तरह सही या गलत नहीं हो सकता। आज इस संकट के समय जरूरत ऐसी सरकार की है जो उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निर्णय ले सके। साथ ही नई सूचनाएं आने पर खुद को उसके अनुकूल ढाल सके। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ से पैदा हुए संकट के बीच भारत ने अच्छा काम किया है। वहीं अधिक संसाधनों वाले देशों को संघर्ष करना पड़ा है।अडाणी ने कहा कि इस वायरस से लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है, लेकिन मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि जो फैसले लिए गए हैं, यदि उनमें विलंब होता, तो आज हमारे सामने बड़ी आपदा खड़ी हो जाती, जिसका न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया पर असर पड़ता। गौतम अडाणी देश के प्रमुख उद्योग समूह अडाणी ग्रुप के प्रमुख हैं। बुनियादी ढांचा क्षेत्र का यह समूह बंदरगाह से लेकर बिजली क्षेत्र में काम कर रहा है। अडाणी ने कहा कि इस महामारी की वजह से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जीवन और नौकरियों पर संकट आया है। प्रवासी मजदूरों के संकट से पूरा देश दुखी है। लेकिन कुछ अज्ञात विकल्पों के परिणाम तो और बुरे होते। अडाणी ने कहा कि इस संकट के समय जिस तरह देश के नेताओं, चिकित्सकों, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों, पुलिस, सेना, रेहड़ी–खोमचों वालों और नागरिकों ने एक–दूसरे को समर्थन दिया है, वह सराहनीय है।

लॉकडाउन में ढील के बाद अब ईंधन की बिक्री सुधरेगी : आईओसी

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) को उम्मीद है कि आर्थिक गतिविधियां शुरू होने के बाद अब ईंधन की बिक्री में सुधार आएगा। कोरोना वायरस पर अंकुश के लिए पिछले कई सप्ताह से लागू लॉकडाउन से पेट्रोल और डीजल की बिक्री में भारी गिरावट आई है। अब सरकार ने अनलॉक–१ के तहत प्रतिबंधों में काफी ढील दी है। आईओसी ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष २०२०–२१ के लिए मंजूर पूंजीगत निवेश को पूरा करेगी। कंपनी ने कहा कि उसने लागत और समयसीमा को सुसंगत करने के लिए सभी निवेश प्रस्तावों की गहराई से समीक्षा की है। कंपनी ने कहा कि वह लागत को लेकर काफी सतर्क और उसने इसे तर्कसंगत बनाने के लिए कदम उठाए हैं। हालांकि, कंपनी ने इन कदमों का ब्योरा नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड–१६ की रोकथाम के लिए २५ मार्च से लॉकडाउन की घोषणा की थी। इससे अप्रैल में ईंधन की बिक्री में भारी गिरावट आई थी। लॉकडाउन के दौरान कारखाने और कार्यालय बंद हो गए थे। वाहन सड़क से हट गए थे। साथ ही ट्रेनें और उड़ान सेवाएं भी बंद थीं। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि कोविड–१६ की वजह से लागू लॉकडाउन से अप्रैल में ईंधन उत्पादों की मांग में ४६ प्रतिशत की गिरावट आई थी। अप्रैल में पेट्रोल की बिक्री ६१ प्रतिशत, डीजल की ५६.७ प्रतिशत और विमान ईंधन एटीएफ की बिक्री ६१.५ प्रतिशत घटी थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने केंद्र और कुछ राज्य सरकारों द्वारा प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद मई में पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री कुछ सुधरी। हालांकि, इसके बावजूद मई में बिक्री पिछले साल के समान महीने से ३८.६

प्रतिशत कम रही। आठ जून से देश में प्रतिबंधों में और छूट दी जा रही है तथा मॉल और बाजार खुलने जा रहे हैं। आईओसी ने कहा कि लॉकडाउन में ढील और आर्थिक पैकेज की वजह से अर्थव्यवस्था में सुधार से पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ेगी। कंपनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हाल में तेजी आई है और साथ ही रुपया भी मजबूत हुआ है। इससे भंडारण और विनिमय दर के नुकसान की काफी हद तक भरपाई हो गई है।

शेयर बाजार में मजबूती रहने की उम्मीद

मुंबई। देश में आर्थिक गतिविधियां शुरू होने के बाद पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों

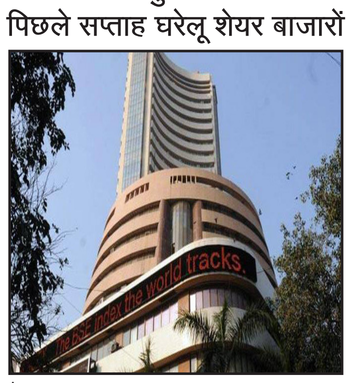

में करीब छह फीसदी की मजबूती रही तथा आने वाले सप्ताह में भी तेजी का क्रम जारी रहने की उम्मीद है। सरकार ने ०१ जून से लॉकडाउन के बीच लगभग सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों की अनुमति दे दी है। इससे लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजारों ने ऊँची उड़ान भरी। बीएसई का ३० शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स १,८६३.१४ अंक यानी ५.७५ प्रतिशत चढ़कर सप्ताहांत पर ३४,२८७.२४ अंक पर बंद हुआ जो ११ मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ५.८६ फीसदी की साप्ताहिक बढ़त में १०,१४२.१५ अंक पर पहुँच गया। कारोबारियों ने बताया कि आर्थिक गतिविधियाँ शुरू होने से अर्थव्यवस्था को लेकर निवेशकों में विश्वास दुबारा बहाल हुआ है। इसका असर आने वाले सप्ताह में भी जारी रहेगा। दूसरे देश भी धीरे–धीरे प्रतिबंधों में ढील दे रहे हैं। इस कारण विदेशों से भी लगातार सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। आगामी सप्ताह शुक्रवार को मई की खुदरा महँगाई और अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन के आँकड़े जारी होने हैं। इन पर भी निवेशकों की नजर होगी। इनके अलावा हीरो मोटोकार्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल के वित्तीय परिणाम भी जारी होंगे। पिछले सप्ताह मजबूत निवेश धारणा के बीच गुरुवार को छोड़कर शेष कारोबारी दिवस बाजार में तेजी रही। खासकर मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों का विश्वास दिग्गज कंपनियों की तुलना में ज्यादा रहा। सप्ताह के दौरान बीएसई का मिडकैप छह प्रतिशत चढ़कर १२,५५४.१६ अंक पर और स्मलकैप ८.८४ प्रतिशत की तेजी में ११,८५५.१७ अंक पर पहुँच गया।

आइफोन और आइपैड पर जीमेल डार्क मोड की मिलेगी सुविधा

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने महीनों की देरी के बाद आखिरकार आइफोन और आइपैड पर जीमेल के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित डार्क मोड की शुरुआत कर दी है। जीमेल के वर्जन ६.०.२००५१६, जिसे ऐप स्टोर के माध्यम से प्रचारित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रिलीज नोट शामिल हैं : प्रो टिप (यदि आपने ध्यान नहीं दिया है)। अब आप आईओएस १३ में अपग्रेड करने के बाद डार्क या लाइट थीम के बीच स्विच कर सकते हैं या आप डिफॉल्ट सिस्टम थीम का उपयोग कर सकते हैं। पिछले साल सितंबर में जीमेल के लिए डार्क

मोड की घोषणा की गई थी। अब किसी भी एप के मेनू सेक्शन के माध्यम से जीमेल के अंदर डार्क मोड को सक्रिय कर सकता है, जो स्क्रीन के ऊपरी बाएं कोने (तीन–पंक्ति वाले आइकन) में स्थित है। इसके बाद वहां से 'सेटिंग्स' को चुनना होगा और फिर 'थीम' विकल्प पर जाकर 'लाइट', 'डार्क' या 'सिस्टम डिफॉल्ट' को चुना जा सकता है। पिछले कुछ महीनों में जीमेल ने आईओएस के लिए अपनी जीमेल एप में कुछ नए फीचर्स जोड़े हैं, जिसमें ईमेल भेजते समय सिरी शॉर्टकट और आईओएस फाइल एप से ईमेल में अटैचमेंट जोड़ना शामिल है।

ओप्पो जल्द लॉन्च करेगी पहला स्मार्ट टीवी

नई दिल्ली। ओप्पो ने चीन में अपने वाणिज्यिक 5जी प्रयासों के एक साल का जश्न मनाने के लिए अपने आधिकारिक वीबो पेज पर कुछ इन्फोग्राफिक्स पोस्ट किए हैं। इस लंबी सी तस्वीर के निचले हिस्से में कई और उत्पादों के साथ एक टीवी भी मौजूद है, जिसका मतलब यह हो सकता है कि कंपनी शायद जल्द ही टीवी लॉन्च कर सकती है। इससे पहले ओप्पो के उपाध्यक्ष लिउ बो ने भी मीडिया को बताया था कि चीनी स्मार्टफोन निर्माण कंपनी स्मार्ट टीवी की दुनिया में प्रवेश करने का सोच रही है और इस साल के बीच तक अपना पहला स्मार्ट टीवी लॉन्च करेगी। ओप्पो स्मार्ट टीवी एंड्रयड द्वारा संचालित होगा और इसमें वन प्लस व सैमसंग टीवी के भी फीचर्स के मिलने की उम्मीद लगाई जा रही है। स्मार्ट टीवी की मांग बढ़ती रही है और कई ब्रांड इस क्षेत्र में हाथ आजमाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। शाओमी, रियल मी, हुआवे, अनर, मोटोरोला और वनप्लस पहले ही अपना स्मार्ट टीवी लॉन्च कर चुकी है और नोकिया की स्मार्ट टीवी भी भारत में लॉन्च हो चुकी है।

भारत को ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांड्या को शामिल करना चाहिए : चौपल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चौपल का मानना है कि भारतीय टीम को इस साल

के अंत में होने वाले अस्ट्रेलिया दौरे में अलराउंडर हार्दिक पांड्या को शामिल करना चाहिए। भारत को ऑस्ट्रेलिया के साथ साल के अंत में चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। पांड्या ने २०१९ में आखिरी बार टेस्ट मैच खेला था। पांड्या पदार्पण के बाद से अब तक भारत के लिए सिर्फ ११ टेस्ट मैच ही खेले हैं। पांड्या का करियर पीठ की चोट के कारण प्रभावित रहा है। चौपल ने क्रिकइंफो से कहा, अगर भारत पांड्या को ऑस्ट्रेलिया दौरे में शामिल करता है तो इससे उन्हें फायदा मिलेगा। जब टीम के तेज गेंदबाजों को आराम की जरुरत होगी तो वह दबाव बरकरार रखने के लिए तेज गेंदबाजी में एक विकल्प बन सकते हैं। पांड्या ने हाल ही में कहा था कि वह चोट से बचने के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने से सावधानी बरतते हैं। उन्होंने कहा था कि वह सीमित ओवर के प्रारुप में अपनी भूमिका को बखूबी समझते हैं। चौपल ने कहा, पांड्या के पास एससीजी मैच से पहले तीन टेस्ट मैच में खुद को तैयार करने का मौका रहेगा जहां वह तीसरे तेज गेंदबाज के रुप में टीम में शामिल हो सकते है जिससे टीम में दूसरे स्पिनर को शामिल किया जा सकता है। पांड्या को सातवें नंबर पर रखने से रिषभ पंत छठे नंबर पर आ सकते हैं।

आईपीएल में मेरे खिलाफ की गयी थी नस्ली टिप्पणियां : सैमी

किंग्स्टन। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने आरोप लगाया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए वह नस्ली टिप्पणियों का शिकार बने थे। सैमी ने यह आरोप अमेरिका में अफ्रीकी मूल के जार्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद दुनिया भर में चल रहे ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान के मुखर समर्थन के बाद लगाया है। सैमी ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, मुझे अभी पता चला है कि कालू का मतलब क्या होता है। जब मैं आईपीएल में सनराइजर्स के लिये खेलता था तो वे मुझे और (तिसारा) परेरा को इस नाम से बुलाते थे। मुझे लगता था कि इसका मतलब मजबूत इंसान से है। मेरी पिछली पोस्ट से मुझे कुल अलग बात पता चली और मैं गुस्से में हूं। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके खिलाफ कब और किसने यह टिप्पणी की थी। सैमी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नस्लवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाने का आग्रह किया जो कि भद्रजनों के खेल भी मौजूद है। उन्होंने अपने पिछले ट्वीट में कहा, आईसीसी और अन्य बोर्ड क्या आपको नहीं दिख रहा है कि मुझ जैसे लोगों के साथ क्या हो रहा है। क्या आप मुझ जैसे लोगों के खिलाफ हो रहे सामाजिक अन्याय के खिलाफ नहीं बोलने वाले हो। यह केवल अमेरिका से जुड़ा मसला नहीं है। सैमी ने वेस्टइंडीज की तरफ से ३८ टेस्ट, १२६ वनडे और ६८ टी२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उनकी अगुवाई में

वेस्टइंडीज ने दो बार टी२० विश्व कप का खिताब जीता। अमेरिका के मिनियापोलिस में २५ मई को ४६ वर्षीय फ्लॉयड की एक श्वेत पुलिस अधिकारी डेरेक चौविन द्वारा लगभग नौ मिनट तक घुटने से गला दबा देने के कारण मौत हो गयी थी। इसके बाद से ही अमेरिका में ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान ने जोर पकड़ा।

प्रीमियर लीग टीमों ने वापसी की तैयारी शुरू की

लंदन। मैनचेस्टर यूनाईटेड, चेल्सी और आर्सनल उन क्लबों में शामिल हैं जिन्होंने अभ्यास मैचों का आयोजन करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की वापसी

के लिये अपनी तैयारियों को नये अंजाम तक पहुंचाया। कोरोना वायरस के कारण १०० दिन तक निलंबित रहने के बाद प्रीमियर लीग १७ जून से शुरू होगी और क्लब इससे पहले खिलाड़ियों की फिटनेस और उन्हें दर्शकों के बिना खेलने के लिये अभ्यस्त बनाने पर काम कर रहे हैं। लीग ने शनिवार को घोषणा की कि २० क्लबों के जुड़े ११६६ खिलाड़ियों और स्टाफ का कोविड–१६ के लिये किये गुरुवार और शुक्रवार को छठे दौर का परीक्षण किया गया जिसमें किसी को भी पजीटिव नहीं पाया गया। आर्सनल अपना पहला मैच मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ खेलेगा। उसने दूसरे स्तर पर खेलने वाली टीम चार्लटन के खिलाफ एमिरेट्स स्टेडियम में मैच खेला। इस अभ्यास मैच में एडी केटिया ने हैट्रिक बनायी जिससे आर्सनल ने ६–० से जीत दर्ज की। मैनचेस्टर यूनाईटेड की टीम के खिलाड़ियों ने दो टीमें बनाकर मैच खेला। मैनचेस्टर यूनाईटेड वापसी पर अपना पहला मैच १६ जून को टोटेनहैम से खेलेगा। चेल्सी ने भी स्टैमफोर्ड ब्रिज में अपने खिलाड़ियों के बीच अभ्यास मैच का आयोजन किया। वह अपने अभियान की शुरुआत २१ जून को एस्टन विला के खिलाफ करेगा।

वायरस संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर 6 फुटब लर निलंबित

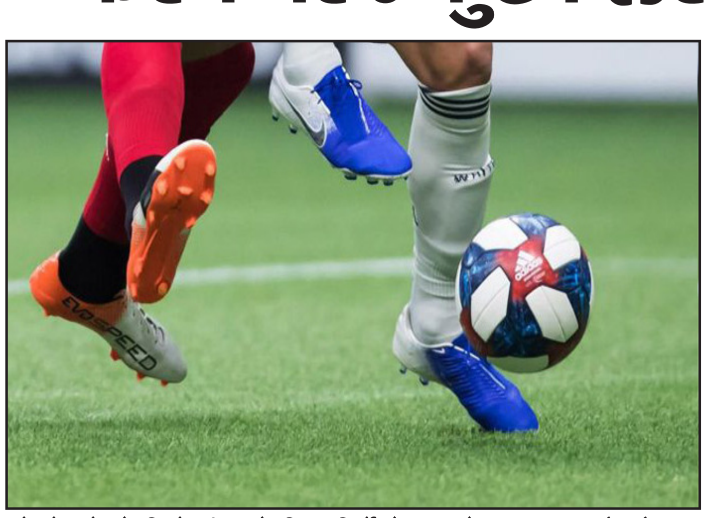

बीजिंग। चीन फुटबाल संघ ने राष्ट्रीय अंडर–१६ टीम के छह सदस्यों को रात में अभ्यास शिविर से बाहर निकलकर कोरोना वायरस के नियंत्रण के लिये जारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर छह महीने के लिये निलंबित कर दिया। शंघाई में ३५ खिलाड़ियों का अभ्यास शिविर १७ मई से शुरू हुआ था जो शनिवार को समाप्त हो गया। शिन्हुवा समाचार एजेंसी के अनुसार चीन फुटबाल संघ ने कहा, ''यह महामारी के नियंत्रण को रोकने के लिये टीम के दिशानिर्देशों का घोर उल्लंघन है और इससे पूरी टीम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। इन छह खिलाड़ियों को ३० नवंबर तक निलंबित किया गया है। उन्हें उनके संबंधित क्लब भी सजा दे सकते हैं। चीन में खिलाड़ियों का कोई आधिकारिक संगठन नहीं हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि प्रतिबंध के खिलाफ अपील करने कोई तरीका है या नहीं। मुख्य कोच चेंग याओडोंग ने कहा, ''उन सभी ने स्थिति को गंभीरता को समझ लिया है। यह टीम का नुकसान है और निश्चित तौर पर इसका इन खिलाड़ियों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

लक्ष्मण ने युवराज के 'अदूट साहस' को किया सलाम

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने अपने पूर्व टीम साथी युवराज सिंह की तारीफ करते हुए कहा है कि शारीरिक रूप से मुश्किल वक्त से गुजरने के बावजूद खेल में उनकी उपलब्धियां बेहद शानदार रही हैं। युवराज ने कैंसर जैसी बीमारी से जूझने के बावजूद २०११ में भारत को विश्व कप जिताने में अहम योगदान दिया था। २०११ विश्व कप में युवराज 'प्लेयर अफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे। लक्ष्मण ने ट्विटर पर लिखा, "कैंसर पर अपनी सफल जीत के कारण कई लोगों के लिए प्रेरणा बनने वाले युवराज सिंह गंभीर रूप से बीमार होने के बावजूद २०११ के विश्व कप में टीम को अपने कंधों पर ले गए। बीमारी से उबरने के बाद उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर बनाया, जो उनके

अदूट साहस का प्रतीक है। युवराज ने २०१७ में कटक में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में १२७ गेंदों पर २१ चौकों और तीन छक्कों की मदद से १५० रनों की शानदार पारी खेली थी।

अमित शाह ने बिहार में फूंका चुनावी बिगुल

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने आज बिहार की वर्चुअल रैली में लालटेन युग, चारा घोटाला और जंगल राज जैसे मुद्दों को उछालकर चुनावी बिगुल फूंक दिया। विपक्ष पर उन्होंने चुन–चुन वार किए। भाषण उनका चुनावी टोन सेट करने वाला रहा, लेकिन वह यह भी कहने से नहीं चूके कि इस रैली का चुनाव से संबंध नहीं है। नवंबर में संभावित बिहार के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश की। भाजपा के इतिहास की इस पहली वर्चुवल रैली में अमित शाह ने उन सभी मुद्दों को छुआ, जो आगामी विधानसभा चुनाव की दशा और दिशा तय करने वाले हैं। उन्होंने जहां बिहार का बखान किया, तो बगैर नाम लिए लालू यादव–राबड़ी के मुख्यमंत्रित्व काल वाली राजद सरकारों पर बिहार की बदहाली का ठीकड़ा भी फोड़ा। उन्होंने १९९५ से २००५ तक के शासनकाल को बिहार की बदहाली का कसूरवार ठहराया। अमित शाह ने कहा, बिहार में हम लालटेन युग से एलईडी युग तक आए हैं। लूट एंड ऑर्डर से ल एंड ऑर्डर तक की यात्रा हमने की है। जंगल राज से जनता राज तक हम आए हैं। बाहुबल से विकास बल तक आए हैं और चारा घोटाले से डीबीटी तक की यात्रा मोदी जी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक तय की है। बिहार के हर विधानसभा चुनाव में लालू यादव और उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल(राजद) की घेराबंदी करने के लिए भाजपा चारा

घोटाला और जंगल राज जैसे मुद्दों को हमेशा उठाती आई है। ऐसे में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर उपलब्धियों को बताने के लिए आयोजित इस वर्चुअल रैली में जब अमित शाह ने लालू–राबड़ी यादव के शासनकाल को कटघरे में खड़ा करने वाले मुद्दों को उठाना शुरू किया तो मामला विधानसभा चुनाव से जुड़ता दिखा। अमित शाह ने जहां कहा कि यह समय राजनीति का नहीं है, लेकिन यह भी कहने से नहीं चूके कि आगामी विधानसभा चुनाव में नीतीश सरकार फिर बहुमत से सरकार में आने वाली है। अमित शाह ने बगैर नाम लिए लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, मैं परिवारवादी लोगों को आज कहता हूं कि अपना चेहरा आईना में देख लीजिए, १९९०–२००५ इनके शासन में बिहार की विकास दर ३.१९ प्रतिशत थी, आज नीतीश के नेतृत्व में ये ११.३ प्रतिशत तक विकास दर पहुंचाने का काम एनडीए की सरकार ने किया है। लॉकडाउन के बीच प्रवासी मजदूरों की समस्या बिहार चुनाव में बड़ा मुद्दा बन सकती है। इससे वाकिफ गृहमंत्री अमित शाह ने प्रवासी मजदूरों के जख्मों पर भी मरहम लगाने की कोशिश की। बिहार के मजदूरों के पसीने का महत्व बताते हुए अमित शाह ने उनसे जुड़ने की कोशिश की। अमित शाह ने कहा, देश का कोई भी हिस्सा चाहे मुंबई, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु हो, जो विकसित है इसकी नींव में जाएंगे तो मेरे बिहार के प्रवासी मजदूर के पसीने की महक आती है। बिहार के व्यक्ति का पसीना इस देश के विकास की नींव में है। देश का कोई भी कोना हो, उसके विकास की नींव में बिहार के व्यक्ति के पसीने की महक है। जो लोग उन्हें अपमानित करते हैं वो प्रवासी मजदूरों के जज्बे को नहीं समझते हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से बिहार के लिए किए गए कार्य भी गिनाए। बिहार के लिए १.२५ लाख करोड़ रुपये के पैकेज की चर्चा करते हुए कहा कि इसे मोदी सरकार ने वास्तविकता में बदला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए अमित शाह ने कहा, नीतीश जी और सुशील जी दोनों प्रसिद्धि करने में थोड़े से कच्चे हैं। वो रोड पर खड़े होकर थाली नहीं बजाते हैं, वो चुपचाप सहायता के लिए काम करने वाले लोग हैं। उनके नेतृत्व में बिहार सरकार ने बहुत अच्छे से ये लड़ाई लड़ी है। अमित शाह यह बताने से नहीं चूके कि मोदी सरकार की योजनाओं से सबसे ज्यादा लाभ पूर्वी भारत के हिस्से में शामिल बिहार जैसे राज्यों को हुआ है। अमित शाह ने कोरोना काल में इस वर्चुअल रैली को लेकर विपक्ष के सवालों का भी जवाब दिया। अमित शाह ने विपक्ष नेताओं से कहा, मैं कहता हूं कि किसने उन्हें रोका है, दिल्ली में बैठकर मौज करने की जगह, दिल्ली से लेकर पटना और दरभंगा की जनता को जोड़ने के लिए एक वर्चुअल रैली ही कर लेते।

आर्थिक गतिविधियो को बढ़ावा देने की जरुरत : योगी

बस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड–१९ का रोकथाम करते हुए आर्थिक गतिविधियो को बढ़ावा देने की आवश्यकता है और बाहर से आये श्रमिको को रोजगार देना उनकी सरकार की प्राथमिकता है । योगी ने आज यहां पुलिस लाइन सभागर में अधिकारियो की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाहर से आये कामगारो को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बैंको के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करके रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाये रोजगार परक योजनाओ के संचालन के लिए माह की कार्ययोजना तैयार किया जाये। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ से निपटने के लिए जन–जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोरोना एक घातक बीमारी है, इससे बचने के लिए सर्तकता आवश्यक है मास्क लगाना सभी के लिए अनिवार्य है

शोसल डिस्टेंसिंग का पालन हर हाल मे किया जाना चाहिए कोविड–१९ के प्रोटोकाल का पालन कराना पुलिस विभाग का दायुत्व है पुलिस को सक्रिय भुमिका निभाना होगा। मुख्यमन्त्री ने कहा कि प्रदेश मे ९८ हजार से भी अधिक प्रवासी महानगरो से प्रदेश मे आये हैं इन लोगो मे भी कोरोना का संक्रमण हो सकता है, ऐसे प्रवासियो को होम कोरनटाईन किये जाने की आवश्यकता है। इसके पूर्व योगी ने जिलाचिकित्सालय के निदान केन्द्र मे स्थापित पांच करोड़ रूपये की लगात से ड्रूनेट जांच केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। इस मशीन के लग जाने से कोविड–१९ की जांच यहीं पर हो रहा है सरकार की मंशा है कि सभी जिला मुख्यालयों पर जांच की व्यवस्था हो जाये जिससे जांच रिर्पोट की प्रतीक्षा ना करना पड़े। मुख्यमन्त्री ने अधिकारियो को निर्देश दिया कि कोविड–१९ के मरीजो को बेहरत चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जाये। डाक्टर एंव पैरा मेडिकल स्टाप नियमित रूप से सर्तक होकर अपने कर्तव्य का पालन करें।

दिल्ली में सिर्फ दिल्ली वालों का इलाज

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या और इलाज में हो रही देरी के लिए निजी अस्पतालों को फटकार लगाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि दिल्ली के अस्पतालों में सिर्फ दिल्ली वालों का इलाज होगा। आठ जून से अनलॉक–एक की शुरुआत होने पर उत्तर प्रदेश और हरियाणा से लगी सीमा खोलने का भी मुख्यमंत्री ने ऐलान कर दिया है। उन्होंने सीमा बंद करते समय कहा था कि बाहर के लोग दिल्ली में इलाज कराने लगेंगे। बहरहाल, सीमा खोलने के साथ ही केजरीवाल ने कहा है कि केंद्र संचालित अस्पतालों को छोड़ कर दिल्ली के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी के लोग ही इलाज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली में मॉल, रेस्तरां और धार्मिक स्थल केंद्र के दिशा–निर्देशों के मुताबिक खुलंगे, लेकिन होटल और बैंक्वेट बंद रहेंगे क्योंकि दिल्ली सरकार

को आने वाले समय में इन्हें अस्पतालों में तब्दील करने की जरूरत पड़ सकती है। केजरीवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कांफ्रेंस में कहा– नब्बे फीसदी से अधिक लोग चाहते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान दिल्ली के अस्पतालों में राष्ट्रीय राजधानी के लोगों का ही इलाज हो। इसलिए, यह फैसला किया गया है कि दिल्ली के सरकारी और निजी अस्पताल राष्ट्रीय राजधानी के लोगों का ही इलाज करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि दूसरे शहरों के लोग किसी खास अपरेशनों के लिए दिल्ली आते हैं तो उनका इलाज निजी अस्पतालों में होगा। मुख्यमंत्री ने कहा– दिल्ली के बुनियादी ढांचे की इस समय कोरोना वायरस संकट से निपटने में जरूरत है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने शॉपिंग मॉल, होटलों, रेस्तरां, गेस्ट हाउस, धार्मिक स्थलों आदि को आठ जून से खोलने की अनुमति दी है। हालांकि कंटेनमेंट जोन में इन पर पाबंदी जारी रहेगी। केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में शराब की बिक्री पर लगाए गए कोरोना विशेष शुल्क को खत्म कर दिया है लेकिन वैट में बढ़ोतरी कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा–सभी जिलाधिकारियों के सहयोग के लिए नियुक्त हों नोडल अधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अनलक के दूसरे चरण की शुरुआत के मद्देनजर सभी जिलाधिकारियों तथा मण्डलायुक्तों को संवादकरने के निर्देश दिये। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिलों में जिलाधिकारियों के सहयोग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, उनसे समन्वय बनाते हुए कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी मण्डलायुक्त अपने–अपने मण्डलों में विकास एवं राजस्व सम्बन्धी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समीक्षा करें तथा कोविड एवं गैर कोविड अस्पतालों के सुचारु संचालन के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किए गए स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक या संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी उनका नियमित निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण करें। योगी ने कहा कि निर्माण कार्यों के शुरु होने के बाद एक्सप्रेस–वे, मेडिकल कलेजों, विश्वविद्यालयों, सड़कों, नहरों वगैरह के निर्माण कार्यों में श्रमिकों/कामगारों का रोजगार दिया जा सकता है। उन्होंने उद्योग, कृषि, उद्यान, निर्माण आदि के क्षेत्र में रोजगार की सभी सम्भावनाओं को तलाशने पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाओं में श्रमिकोंध्कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है, इससे उत्तर प्रदेश का नव निर्माण हो सकेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार आगामी १५ जून से कामगारों को रोजगार देने के सम्बन्ध में व्यापक कार्य योजना बना ली जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में संक्रमणरोधन लागातार किया जाए क्योंकि इससे संक्रमण रोकने में सहायता मिलेगी। योगी के मुताबिक ग्राम्य विकास और नगर विकास विभाग रेहड़ी पटरी वालों को लोन दिलाने के लिए समन्वित कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि श्रमिकोंध्कामगारों को किराए के आवास उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार की योजना के तहत लाभान्वित करने के सम्बन्ध में कार्य योजना तैयार कर ली जाए। इससे श्रमिकों को सुविधानुसार आवास उपलब्ध हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर आगरा, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, गौतमबुद्ध नगर तथा फिरोजाबाद जनपदों के मेडिकल कलेजों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों सहित प्रदेश के सभी कोविड और गैर कोविड अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स इत्यादि लगातार दौरा करते रहे। अस्पतालों में साफ–सफाई की दुरुस्त व्यवस्था होनी चाहिए। अस्पतालों में ४८ घण्टे के लिए आक्सीजन का बैकअप अवश्य मौजूद हो।

दिल्ली में कल से खुलेंगे रेस्टोरेंट, मगर तैयारी अधूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे, और इस अनलॉक के बीच सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। यानी दिल्ली के रेस्टोरेंट सोमवार से ग्राहकों के लिए खुलने जा रहे हैं। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्य संदीप गोयल ने बताया, गृह मंत्रालय की तरफ से आठ जून से रेस्टोरेंट खोलने के निर्देश दिए गए थे। आज दिल्ली सरकार की तरफ से भी निर्देश आ गए हैं। अब हम रेस्टोरेंट खोलने के लिए पूरी तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन इसमें थोड़ा समय लगेगा, क्योंकि हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती स्टाफ की है। हमारे कर्मचारी लकडाउन में घर चले गए थे। आज निर्देश आने के बाद हमने अपने कर्मचारियों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। एसोसिएशन के अधीन दिल्ली–एनसीआर के करीब १२०० से ज्यादा रेस्टोरेंट हैं। गोयल ने कहा, हमारे रेस्टोरेंट के जो कर्मचारी लॉकडाउन में घर चले गए थे, जब वे वापस आएंगे तो उन्हें क्वारंटीन भी होना पड़ेगा। इस तरह अभी हमें बहुत सारी प्लानिंग करनी है कि किस तरह से रेस्टोरेंट को शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया, रेस्टोरेंट चालू करने के लिए रॉ मैटेरियल, मशीनरी और अन्य जरूरी चीजों की जरूरत होती है, जिसको लेकर अब हम प्लानिंग कर रहे हैं। हमें सरकार की तरफ से बताए गए सभी नियमों का पालन भी करना है। उसको लेकर भी रेस्टोरेंट में तैयारियां चल रही हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित द एम्बेसी रेस्टोरेंट के मालिक सुनील मल्होत्रा ने बताया, हम अभी निर्देश को देखेंगे उसके बाद हम रेस्टोरेंट को शुरू करने की प्रकिया चालू करेंगे, एक दम से नहीं खोलेंगे। हमें अभी तैयारियां भी करनी हैं। कनॉट प्लेस स्थित खान चाचा रेस्टोरेंट और निजामी रेस्टोरेंट में फिलहाल ग्राहकों के लिए बैठने की अनुमति नहीं है। ग्राहक आकर अपना आर्डर दे सकता है। वहीं गेट पर ग्राहकों के लिए मेन्यू लगा दिया गया है, साथ ही पेमेंट करने की ऑनलाइन सुविधा ग्राहकों को दी गई है, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके।

दिल्ली में एक बार फिर चला बारिश का दौर

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह एक बार फिर बारिश की फुहारों से मौसम सुहाना हो गया और शहर में तेज एवं ठंडी हवाएं चलीं। बारिश और आसमान पर बादल छाए रहने की वजह से अधिकतम तापमान ३६ डिग्री सेल्सियस के आस–पास बने रहने का अनुमान है। शहर के लिए आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध कराने वाली सफदरजंग वेधशाला, हल्की बारिश के कारण पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज कर रही है। शनिवार को इसने अधिकतम तापमान ३६.८ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से तीन डिग्री नीचे था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्र में १५ जून तक लू चलने की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री बढ़ सकता है लेकिन यह १० जून तक ४० डिग्री से नीचे रहेगा।

हैदराबाद में पत्रकार की कोरोना से मौत

हैदराबाद। कोविड–१९ से संक्रमित एक पत्रकार हैदराबाद में आज मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। एक तेलुगू टीवी चौनल के इस ३६ वर्षीय

पत्रकार ने गांधी अस्पताल में दम तोड़ दिया। पत्रकार को चार दिन पहले कोरोनावायरस पजिटिव पाए जाने के बाद यहां भर्ती कराया गया था। वायरस के कारण तेलंगाना में किसी पत्रकार की यह पहली मौत है। चिकित्सकों के अनुसार, पत्रकार दोहरे नीमोनिया और एक्यूट रेस्पाइरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम से पीड़ित था। वह म्यास्थेनिया ग्रेविस से भी पीड़ित था, जिसके कारण रेस्पाइरेटरी मसल्स सहित सभी मांस पेशियां निष्क्रिय हो जाती हैं। उसके थाइमस ग्लैंड की सर्जरी भी हुई थी। अस्पताल सूत्रों ने कहा कि पत्रकार की हालत रविवार तड़के बिगड़ने लगी और उसे एक वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस पत्रकार की मौत हैदराबाद में पत्रकारा बिरादरी के बीच एक सदमे की तरह आई है। पिछले सप्ताह कुछ पत्रकारों को कोविड–१९ पजिटिव पाया गया था। उनमें से कुछ को कोई लक्षण नहीं था। राज्य में कुछ दिनों से कोरोना मामलों में वृद्धि हुई है। शनिवार को २०६ नए मामले सामने आए थे। दो मार्च को राज्य में पहला मामला आया था और उसके बाद से अबतक एक दिन में यह सर्वाधिक संख्या थी। इसके अलावा १० लोगों की मौत भी हुई, जिसके साथ राज्य में वायरस के कारण कुल मौतों की संख्या बढ़ कर १२३ हो गई है।

गोण्डा में रोडवेज कर्मियों ने वेतन को लेकर की नारेबाजी

गोण्डा। उत्तर प्रदेश मे गोण्डा के नगर कोतवाली क्षेत्र मे रोडवेज में संविदा बस चालक एवं परिचालकों ने आज मई माह का वेतन अप्रैल माह की भांति नियमित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और अपनी मांगों को पर आये लाखों प्रवासियों को पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा संविदा कर्मियों को प्रति किलोमीटर के हिसाब से पूरे मई मास का मात्र कुल पन्द्रह सौ से अठ्ठारह सौ रूपये तक भुगतान किये जाने का आदेश

लेकर प्रबंध तंत्र के नाम संबोधित एक ज्ञापन सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को सौंपा। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अरविंद कुमार तिवारी ने बताया कि लॉकडाउन अवधि मे डिपो के करीब तीन सौ संविदा चालक एवं परिचालकों ने जान जोखिम मे डालकर रेलवे स्टेशन पर श्रमिक स्पेशल ट्रेनों और सीधे सरकारी बसों से एक स्थान से दूसरे स्थान दिया गया है जबकि अप्रैल माह में नियमित तरीके से वेतन भुगतान किया गया था। उन्होंने चेतावनी दिया कि मई माह के नियमित वेतन भुगतान की मांग पूरी न होने तक सभी कर्मी आंदोलित रहेंगे। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक वी के वर्मा ने बताया कि संविदकर्मियों का मांगपत्र प्रबंध तंत्र को प्रेषित कर उन्हें समस्या से अवगत कराया गया है।

चीन ने खुद को बेकसूर बताया

बीजिंग। कोरोना वायरस का संक्रमण पूरी दुनिया में फैलाने के आरोपों से घिरे चीन ने रविवार को खुद को बेकसूर बताया और कहा कि वायरस संक्रमण का पहला मामला वुहान में २७ दिसंबर को सामने आया था, जबकि इससे होने वाले निमोनिया और इंसान से इंसान में संक्रमण फैलने के बारे में १९ जनवरी को पता चला, जिसके बाद इस पर रोक लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई। चीन सरकार की ओर से इस पर एक श्वेतपत्र जारी किया गया है। इसमें वुहान में पिछले साल कोरोना वायरस के मामले आने पर जानकारी छिपाने और इस बारे में देर से खबर देने के आरोपों को खारिज करते हुए एक लंबी व्याख्या दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई अन्य देशों के नेता चीन पर आरोप लगाते रहे हैं कि उसने घातक बीमारी के बारे में पारदर्शिता के साथ जानकारी नहीं दी जिससे संसार भर में व्यापक जनहानि और आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। जॉन हॉपकिंस कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के अनुसार, इस घातक वायरस से संसार में ६८ लाख लोग प्रभावित हुए हैं और करीब

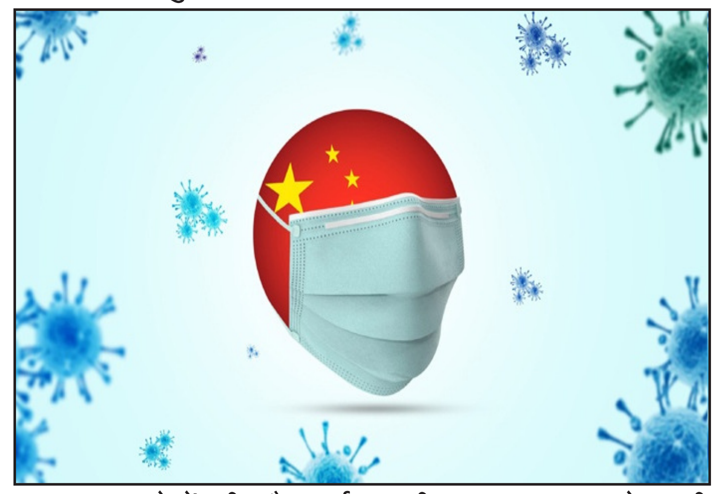

चार लाख लोगों की मौत हुई है। अमेरिका में इस वायरस से संक्रमितों की संख्या २० लाख के करीब पहुंच गई है और एक लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। वहीं, चीन में इस वायरस से संक्रमण के मामलों की आधिकारिक संख्या ८४,१७७ है। श्वेतपत्र के मुताबिक वुहान में २७ दिसंबर २०१९ को एक अस्पताल द्वारा कोरोना वायरस की पहचान किए जाने के बाद स्थानीय सरकार ने स्थिति को देखने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली। श्वेतपत्र में कहा गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की बनाई एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ टीम ने १९ जनवरी को पहली बार बताया कि वायरस मानव से मानव में फैल सकता है। श्वेतपत्र में बीजिंग ने कहा है कि जब कोरोना वायरस के मानव से मानव में फैलने का पता चला तो इसकी रोकथाम के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई।

पाकिस्तानी मीडिया हुआ योगी आदित्यनाथ का कायल

लखनऊ। कोरोना संकट के दौर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यो को दुनियाभर में सराहा जा रहा है। इतना ही नहीं भारत से बैर रखने वाले देश पाकिस्तान में मीडिया भी उनका कायल हो गया है। पाक के चर्चित अखबार द डॉन के सम्पादक फहद हुसैन कोरोना के दौरान योगी द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ करते हुए उनके मुरीद हो गए हैं। फहद ने अपने ट्वीट के साथ एक ग्राफ शेयर करते हुए लिखा है, "ये ग्राफ ध्यान से देखिए.. उत्तर प्रदेश और पाकिस्तान की तुलना की जाए तो आप ये देख सकते हैं कि पाकिस्तान में उत्तर प्रदेश से कहीं अधिक मौतें हुई हैं। मैं एक चार्ट के माध्यम से आपको ये समझाऊंगा। यूपी ने कड़ाई से लक डाउन का पालन कराया, लेकिन पाकिस्तान में यह नहीं हो सका जिसका नतीजा है

कि यहां संक्रमण और मौतों की दर ज्यादा है, जबकि उत्तर प्रदेश में कम है।" एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, "उत्तर प्रदेश की जनसंख्या २२ करोड़ ५० लाख के करीब है और पाकिस्तान की २० करोड़ से थोड़ी अधिक। दोनों का प्रोफाइल एक जैसा है और साक्षरता दर भी समान है। पाकिस्तान में उत्तर प्रदेश के मुकाबले प्रति किलोमीटर जनसंख्या घनत्व कम है और प्रति व्यक्ति आय अधिक है। लेकिन तब भी उत्तर प्रदेश में कोरोना से कम मौतें हुई हैं।" बता दें कि उत्तर प्रदेश में अभी तक कोरोना संक्रमितों की संख्या दस हजार से अधिक है, जबकि पाकिस्तान में ९८९४३ लोग इस वैश्विक महामारी से संक्रमित हैं। वहीं इस वायरस से पाकिस्तान में मरने वालों की संख्या २००२ है, जबकि उत्तर प्रदेश में अभी तक २७५ लोगों की इससे जान गई है।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया में रिक्टर स्केल पर ५.१ तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किये गये। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वेक्षण केंद्र ने बताया कि इंडोनेशिया में शनिवार को २३रू५०रू३७ बजे महसूस किये गये भूकंप का केंद्र सिंगकिल से ९६ किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में स्थित था। अमेरिका सर्वेक्षम केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र धरती की सतह से २५.७६ किलोमीटर नीचे १. ७०४५ डिग्री अक्षांश तथा ९७. १११९ डिग्री देशांतर में था।

भाजपा की कुनीतियों के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे : अखिलेश

लखनऊ। 'भाजपा सरकार' ने उत्तर प्रदेश को बर्बादी के मुहाने पर खड़ा करने का आरोप लगाते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी वैश्विक महामारी के नियंत्रण के बाद भाजपा की कुनीतियों और जन समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरेगी। यादव ने आज जारी बयान में कहा कि सड़क पर, ट्रेन में, शहर में, गांव में हर जगह अव्यवस्था और अराजकता के हालात हैं। समाज का हर तबका निराश और परेशान है। गरीब भुखमरी का शिकार है। मजदूरों की रोजी–रोटी छिन गई है। किसान, नौजवान की आंखों के आगे अंधेरा हैं। प्रदेश में विकास ठप्प है। उन्होने कहा कि सूबे में अन्य प्रदेशों से आए श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहा है। सरकार की गलत नीतियों के शिकार ये लोग

सरकारी बेरूखी झेल रहे हैं। जनता के सुख–दुःख से भाजपा का कोई मतलब नहीं वह तो बस सत्ता से ही वास्ता रखती है। श्रमिक और कारोबारी तंगहाली में आत्महत्याएँ कर रहे हैं। व्यापार चौपट है। समाजवादी पार्टी वैश्विक महामारी के नियंत्रण के बाद भाजपा की कुनीतियों और जन समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरेगी। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा की इससे ज्यादा शर्मनाक प्रमाण और क्या होगा कि नोएडा गाजियाबाद के आठ अस्पतालों में खौड़ा कालोनी की एक गर्भवती महिला प्रसव के लिए मारी–मारी फिरती रही कहीं उसे इलाज नहीं मिला। आखिरकार एम्बुलेंस में उसकी मौत हो गई। सरकार दावा करती है कि कोरोना बीमारों के लिए उसने एक लाख बेडों का इंतजाम कर रखा है तो आने वाली पीढ़ियों के लिए उसने कुछ बेड क्यों नहीं आरक्षित कर रखे है। भाजपा सरकार बताए कि उसने कितने अस्पताल बनाए हैं।

सपा अध्यक्ष ने साधा सरकार पर निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोएडा में प्रसव के लिए अस्पताल की तलाश के दौरान एक महिला की मौत को अति दुखद करार देते हुए रविवार को सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। अखिलेश ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश में प्रसव के लिए अस्पताल खोजते–खोजते एक गर्भवती महिला की मृत्यु अति दुखद है। सरकार यह बताए कि अगर वह कोरोना वायरस के इलाज के लिए एक लाख बेड के इंतजाम का दावा करती है तो आने वाली पीढ़ियों के लिए कुछ बेड आरक्षित क्यों नहीं रखे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने इस मामले से जुड़ी खबर को टैग करते हुए कहा, भाजपा सरकार यह भी बताए कि उसने अब तक कितने अस्पताल बनवाए हैं। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को नीलम नामक एक गर्भवती महिला की प्रसव के

लिए अस्पताल ढूंढने के दौरान मौत हो गई थी। नीलम के पति विजेंदर सिंह के मुताबिक उन्होंने कुछ सरकारी अस्पतालों समेत आठ चिकित्सालयों के दरवाजे खटखटाए लेकिन सभी ने उनकी पत्नी को प्रसव के लिए भर्ती करने से इनकार कर दिया। गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अखिलेश ने एक अन्य ट्वीट में बिहार में डिजिटल चुनावी रैली करने की भाजपा की तैयारियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा बिहार में दूर से ही डिजिटल चुनावी रैली कर रही है क्योंकि उसने देश और देशवासियों की जो बर्बादी की है उसकी वजह से वह जनता के बीच सीधे जाने के लायक बची ही नहीं है। अखिलेश ने कहा, करोड़ों लोगों की जिंदगियों को पटरी पर लाने की तैयारी करने के बजाय भाजपाई चुनाव की तैयारी में जुट गए। शर्मनाक।

लॉकडाउन में दोगुना कसरत कर रही हैं तापसी

मुंबई। लॉकडाउन के इस समय में बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू खुद को फिट रखने की कोशिश में अधिक से अधिक वर्कआउट कर रही हैं। तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में अपनी एक सेल्फी साझा की है, जो वर्कआउट करने के बाद ली गई है। तस्वीर में उन्हें लाइम ग्रीन टी–शर्ट और

हेयर बैंड में देखा जा सकता है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, क्वरंटाइन में डबल वर्कआउट किया जा रहा है क्योंकि इस दौरान डबल रोटी खाने का नतीजा कुछ ठीक नहीं लग रहा है। तापसी ने फिल्मकार अनुराग कश्यप संग भी अपनी एक तस्वीर शेयर कीं, जिसमें कश्यप 'नाम शबाना' में बेहतरीन काम कर चुकीं इस अभिनेत्री को गले लगाते नजर आ रहे हैं। अभिनय की बात करें, तो आने वाले समय में तापसी 'हसीन दिलरूबा', 'रश्मि रॉकेट' और 'शाबाश मिठू' में नजर आएंगी।

८० दिन बाद खुली हवा में दौड़ीं नेहा धूपिया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने देशव्यापी लॉकडाउन के बीच ८० दिनों के बाद खुली हवा में दौड़ लगायी है जिसका अनुभव उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। कोरोना संकट की घड़ी में देश अब अनलक की प्रक्रिया में चल रहा है। धीरे–धीरे रियायतों का दायरा भी बढ़ाया जा रहा है और कई तरह की आर्थिक गतिविधियों को भी छूट दी जा रही है। इस बीच अब नेहा धूपिया ने कई दिनों बाद खुली हवा में दौड़ लगाई है। नेहा धूपिया नेसोशल मीडिया पर अपना अनुभव शेयर किया है। नेहा धूपिया ने कहा ,"आज ८० दिनों बाद सुबह रनिंग पर गई। आजादी के साथ डर का अनुभव हुआ। आजादी इसलिए क्योंकि मैं इतनी साफ हवा में भाग रही थी जो शायद पहले कभी नहीं मिली। आजादी इसलिए भी क्योंकि जब मैं भाग रही थी, मेरे कंधों पर बूंदाबांदी हो रही थी और मेरी पसंद का

गाना चल रहा था। आजादी इसलिए भी क्योंकि मेरे पांव मुझे तब तक चलाना चाहते थे जब तक थक ना जाए।" नेहा ने बताया कि जब वो रनिंग कर रही थीं, तब कई लोग बिना मास्क बाहर घूम रहे थे। नेहा ने बताया कि उन्होंने कई लोगों को टोका भी लेकिन उन्हें इस बात का दुख था कि मुंबई की वो रूह कहीं गायब हो गई है। नेहा को इस बात की भी चिंता सताई कि अब कब सबकुछ सामान्य हो पाएगा, कब फिर हर कोई बिना डर बाहर घूम पाएगा।

मिर्जा लुक पाने के लिए अमिताभ ने की कड़ी मेहनत

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन फिल्म गुलाबो सिताबों में अपने किरदार मिर्जा के लुक के लिये कड़ी मेहनत करते थे। शुजित सिरकार निर्देशित अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना की जोड़ी वाली फिल्म गुलाबो सिताबो १२ जून को अमेजन प्राइम पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म में अमिताभ बच्चन एक गुस्सैल बूढ़े के किरदार में हैं। उनके कैरेक्टर का नाम मिर्जा है। इस कैरेक्टर के लिए अमिताभ ने जबरदस्त ट्रांसफर्मेशन लिया है। अब अमेजन प्राइम ने अपने यूट्यूब चौनल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में बताया है कि अमिताभ ने मिर्जा वाला लुक कैसे लिया था। वीडियो में

शूजित सिरकार ने कहा कि मिर्जा का कैरेक्टर ऐसा होना चाहिए कि लगे ही नहीं कि ये अमिताभ बच्चन जी हैं। हमारे पास एक रेफरेंस इमेज थी। ये रेफरेंस इमेज उनके पास ले गए और बताया कि ऐसा लुक होना चाहिए। प्रोस्थेटिक फेस, नोज, हेयर इन सब में घंटों लगते थे। इस वीडियो में दिखाया गया कि कैसे अमिताभ बच्चन को मिर्जा का लुक दिया गया। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में आप अमिताभ को एक बूढ़े–गुस्सैल आदमी के रूप में देख सकते हैं, तो वहीं आयुष्मान भी एकदम अलग रूप में हैं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन एक गुस्सैल मकान मालिक बने हैं तो वहीं आयुष्मान खुराना एक चालाक किरायेदार के रूप में हैं।

'अपराजित अयोध्या' का निर्देशन करेंगी कंगना रनौत

मुंबई। अभिनेत्री–निर्देशक कंगना रनौत 'अपराजित अयोध्या' का निर्देशन करेंगी, जिसकी कहानी राम मंदिर मामले पर आधारित है। अभिनेत्री ने कहा, मेरे द्वारा फिल्म निर्देशित करने की योजना नहीं थी। मैंने इसे एक परियोजना के रूप में शुरू किया था, जिसके कॉन्सेप्ट पर मैंने काम किया था। मैं इसे प्रोड्यूस करना चाहती थी और इसके लिए किसी और को निर्देशक बनाना चाहती थी। उस वक्त व्यस्तता के कारण इसे निर्देशित करने को लेकर सोचा भी नहीं था। उन्होंने आगे कहा, हालांकि केवी विजयेंद्र प्रसाद ने जो स्क्रिप्ट साझा की थी, वह एक

बड़े कैनवास पर सेट की गई फिल्म थी, कुछ हद तक ऐतिहासिक फिल्म की तर्ज पर, जिसे मैंने पहले निर्देशित किया था। मेरे सहयोगी साथी भी उत्सुक थे कि मैं इसे निर्देशित करुं। आखिरकार मुझे भी लगा कि मैं इस फिल्म को निर्देशित करती हूं तो शायद यह अच्छा होगा है। तो यह सब व्यवस्थित रूप से हुआ। केवी विजयेंद्र प्रसाद ने 'मणिकर्णिकारू द क्वीन अफ झांसी' का स्क्रिप्ट भी लिखा था, जिसे कंगना ने निर्देशित किया था। इस फिल्म को उनका प्रोडक्शन हाउस ही प्रोड्यूस करेगी।

भोजन और आपके स्वास्थ्य का एक गहरा नाता

यह तो हम सभी जानते हैं कि भोजन और आपके स्वास्थ्य का एक गहरा नाता है। इतना ही नहीं, जो लोग अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शियस होते हैं, वे हेल्दी फूड

खाने पर जोर देते हैं। पर वास्तव में हेल्दी रहने के लिए सिर्फ हेल्दी भोजन करना ही पर्याप्त नहीं होता। यह भी बेहद आवश्यक है कि आप भोजन को सही तरह से खाएं। कुछ भोजन ऐसे होते हैं, जो यूं तो हेल्दी फूड की लिस्ट में शामिल हैं, लेकिन एक साथ खाने पर यह आपके लिए काफी हानिकारक साबित होते हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ गलत फूड कम्बिनेशन के बारे में, जिन्हें आपको भूलकर भी एक साथ नहीं खाना चाहिए कुछ लोगों की आदत होती है कि वे भोजन करने के बाद फलों का सेवन करते हैं, लेकिन वास्तव में आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, फलों में सिंपल शुगर होती है जो स्वतः ही पच जाती है और यह आपके पेट में लंबे समय तक नहीं टिकते। वहीं दूसरी ओर, भोजन से आपको फैट, स्टार्च व प्रोटीन आदि मिलते हैं, जिन्हें पचने में समय लगता है। इस प्रकार अगर आप भोजन के बाद फल खाएंगे तो फलों को पचने में भी परेशानी होगी और लंबे समय तक पेट में रहने के कारण यह फरमेन्ट होकर आपके लिए पेट संबंधी परेशानियां पैदा कर सकते हैं। बहुत से लोगों को बनाना शेक काफी पसंद होता है लेकिन आपको शायद यह बात जानकर हैरानी हो कि केले और दूध के कम्बिनेशन को सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। इसका सेवन करने से आपको शरीर में भारीपन और सुस्ती महसूस होती है। अगर आप बनाना शेक पीना ही चाहते हैं तो इसे बनाते समय हमेशा पके हुए केले का ही इस्तेमाल करें। साथ ही बेहतर पाचन के लिए इसमें जायफल व इलायची पाउडर भी अवश्य डालें। यह आपके शेक के स्वाद को भी बढ़ाएगा। यह आदत तो हम सभी की होती है कि हम भोजन करते समय लिक्विड साथ में लेना पसंद करते हैं, फिर चाहे बात पानी की हो या शेक की या फिर शीतल पेय की। हम पेय पदार्थों को अपने भोजन के साथ किसी न किसी रूप में अवश्य शामिल करते हैं। आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन वास्तव में आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, तरल पदार्थ न सिर्फ तुरंत आंतों में जाकर नष्ट हो जाता है, बल्कि यह पाचन प्रक्रिया को भी बाधित करता है। जिससे आपके द्वारा खाया गया भोजन सही तरह से नहीं पच पाता और आपको पेट में गैस, अपच, पेट में दर्द व पेट फूलने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए आप तरल पदार्थ को या तो भोजन से आधे घंटे पहले लें या फिर भोजन के एक घंटे बाद।

मैं हमेशा से परिपक्व प्रेम कहानी बताना चाहती थीरू एकता कपूर

मुंबई। कई हिट 'सास–बहू' टीवी शो देने वाली निर्माता एकता कपूर का कहना है कि वह हमेशा एक परिपक्व प्रेम कहानी बताना चाहती थीं और उन्हें खुशी है कि अपनी वेब सीरीज 'कहने को हमसफर है' के जरिए वह बता पा रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स की ज्वइंट एमडी एकता ने कहा, मैं अपने जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले अपने पसंदीदा शो में से एक 'कहने को हमसफर हैं' के तीसरे सीजन को लन्च करने को लेकर काफी खुश हूं। मैं हमेशा से एक परिपक्व प्रेम कहानी बताना चाहती रही हूं और मुझे खुशी है कि 'कहने को हमसफर हैं' के माध्यम से मैंने यह किया। यह एक ऐसा शो है, जिसमें आधुनिक दिनों के रिश्तों की जटिलताओं को

दिखाया गया है। एकता ने कहा, "दो बेहद सफल सीजन के बाद सीजन ३ में बेवफाई के साथ–साथ रिश्तों के कई शेड्स दिखाए जाएंगे। यह शो ऑल्ट बालाजी और जी५ के सभी दर्शकों के लिए मेरे जन्मदिन की पार्टी की तरह है। सीरीज में रोनित रय, गुरदीप कोहली पुंज, मोना सिंह, अपूर्व अग्निहोत्री, पूजा बनर्जी, पलक जैन और अदिति वासुदेवा शामिल हैं। शो के चौथे सीजन की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

एक साधारण–सी साइकिल से मिल सकते हैं कई फायदे

भारत में कुछ सालों पहले यहां के अधिकतर लोगों के पास सिर्फ साइकिल ही होती थी, जिसे वह आने–जाने के लिए या सामान लाने के लिए इस्तेमाल करते थे। लेकिन, समय महंगा और टेक्नोलजी सस्ती होने के साथ–साथ कार और मोटरसाइकिल लोगों की जरूरत बनता गया। साइकिल चलाने से न केवल नॉइज पॉल्यूशन, ट्रैफिक और एयर पल्यूशन कम होता है, बल्कि इससे आपके स्वास्थ्य को काफी फायदे भी प्राप्त होते हैं। तो आइए, जानते हैं कि रोजाना साइकिल चलाने से क्या–क्या साइकलिंग बेनिफिट्स मिलते हैं। आजकल समय की मांग और जरूरत है कि, आप पुराने समय की तरह साइकिल को अपने आने–जाने का जरिया नहीं बना सकते। हालांकि, कुछ मामलों में यह संभव भी है, यदि आपका अफिस पास हो या आपको आसपास ही जाना हो। लेकिन, अगर आपके लिए साइकिल को अपने जीवन का अंग बनाना संभव नहीं है, तो आप इसे अपने वर्कआउट का अंग जरूर बना सकते हैं। इसके लिए आप, रोजाना सिर्फ ३० मिनट साइकिल चला सकते हैं और अगर आप बाहर भी नहीं जाना चाहते, तो आप इंडोर साइकलिंग भी कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको मिलने वाले साइकलिंग बेनिफिट्स कम नहीं होंगे और आप कई बीमारियों से दूर रहते हुए, फिट भी हो जाएंगे।

काम पर लौटने का अब और इंतजार नहीं कर सकती : रकुल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत को इस लॉकडाउन के बीच अपने काम की बहुत याद आ रही है और उनका कहना है कि वापस काम पर लौटने का अब वह और इंतजार नहीं कर सकती हैं। रकुल ने इस साल की शुरुआत में शाकाहार को अपनाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह साझा किया है कि उन्हें अपने काम की कितनी याद आ रही है। उन्होंने मार्च में कराए अपने एक फोटोशूट के वीडियो को साझा किया है और इसके साथ वह लिखती हैं, वापस काम पर लौटने का अब और इंतजार नहीं की सकती..मार्च में किया गया आखिरी शूट। हाल ही में इंस्टाग्राम पर रकुल के फलोअर्स की संख्या बढ़कर १४ लाख हो गई है। आने वाले समय में रकुल अपनी एक परियोजना में अभिनेता अर्जुन कपूर संग नजर आएंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७९ रश्मिखंड शारदा नगर आशियाना लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.
941508728. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।